मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 23
मंगलवार, 28 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

संसद में गतिरोध बरकरार, अमित शाह से जवाब को अड़ा विपक्ष, कार्यवाही ठप

नई दिल्ली, 27 जुलाई। नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर पिछले सप्ताह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण प्रश्नपत्र लीक रोकने संबंधी प्रावधानों वाले विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी जिसे सरकार ने आज ही सदन में पेश किया था।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से जवाब देने की मांग कर रहे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से सदन की बैठक तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा की बैठक भी सोमवार को चार बार के स्थगन के बाद शाम पांच बज कर पंद्रह मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, सूत्रों ने कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाले विधेयक पर सत्तापक्ष और विपक्ष में सहमति बनी, कल चर्चा शुरू हो सकती है। सरकार ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाला संशोधन विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और कुछ अन्य सदस्यों का नाम लिया और कहा कि क्या इस

विधेयक को लेकर वे कुछ बोलना चाहते हैं। हालांकि, किसी विपक्षी सदस्य ने इस पर अपनी बात नहीं रखी। बिरला ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विधेयक है। विधेयक से सदन और देश की मंशा पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दलों के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से चर्चा की मांग कर रहे थे। यह सुधार का प्रथम कदम है। मैं सोचता हूं कि सदन में इस पर चर्चा हो, सभी अपने मत व्यक्त करें ताकि हम इस पर बात कर सकें कि किस तरह से इस विधेयक के माध्यम से पेपर लीक को रोकने का समुचित कदम उठा सकते हैं।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज सुबह उम्मीद थी कि आज विपक्ष चर्चा को तैयार होगा। आखिरकार, वे लंबे समय से NEET पेपर लीक और हमारे छात्रों के भविष्य पर चर्चा करने की मांग कर रहे हैं।

हम एक बहुत महत्वपूर्ण बिल लाए हैं - पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026। हमने कल और आज सुबह भी कांग्रेस से अपील की, फिर भी वे सहयोग करने को तैयार नहीं हैं... बाहर कांग्रेस के सदस्य दावा करते हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है। इसके उलट, यहाँ हम उनसे चर्चा में भाग लेने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन वे ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं।

दल-बदल कानून में 'खामियों' पर कपिल सिब्बल की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 जुलाई। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक PIL पर नोटिस जारी किया। यह PIL कपिल सिब्बल ने दायर की थी, जिसमें संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या को चुनौती दी गई है जो विधायकों को राजनीतिक पार्टी के विलय के जरिए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य होने से बचने की इजाजत देती है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। भारत के दलबदल विरोधी कानून से जुड़ी बड़ी समस्याओं का ज़िक्र करते हुए बेंच ने कहा कि यह कानून विधायिका ने बनाया है। बेंच ने आगे कहा कि ऐसे मुद्दों को आदर्श रूप से सदन के भीतर ही उठाया जाना चाहिए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आम तौर पर सदन में उठाया जाना चाहिए; अगर

ऐसा नहीं होता, तो कम से कम राजनीतिक दलों के सामने तो उठाया ही जाना चाहिए। 10वीं अनुसूची का मकसद विधायकों के बीच के कामकाज के तरीके को रेगुलेट करना है। हमने देखा है कि 10वीं अनुसूची के कामकाज में कई बड़ी दिक्कतें सामने आई हैं। लेकिन इसे बनाया किसने? इसे संसद सदस्यों ने ही बनाया है। सिब्बल ने जवाब दिया कि कभी-कभी सांसद भी गलतियाँ कर सकते हैं और हो सकता है कि यह मामला कभी सुलझ ही न पाए क्योंकि इससे सत्ता में बैठे लोगों को फायदा होता है। सिब्बल ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कभी भी इस मामले का फैसला नहीं होने देंगे। सिब्बल, जो एक सांसद भी हैं, ने कहा, कृपया इस प्रस्ताव पर गौर करें। समस्या की गंभीरता को समझें। चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। एक अल्पसंख्यक समूह बहुमत में बदल सकता है और बहुमत वाला समूह अल्पसंख्यक बन सकता है। सिब्बल ने दसवीं अनुसूची के तहत विलय से जुड़े प्रावधानों की संवैधानिक व्याख्या पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्याख्या के कारण अलग हुए गुट, दूसरी राजनीतिक पार्टियों के साथ विलय करके दलबदल विरोधी कानून की सख्ती से बच सकते हैं।

पाक अधिकृत कश्मीर में चुनाव के बीच बवाल, सैन्य दखल और धांधली के आरोप, दो जिलों में मतदान टला

पाकिस्तान, 27 जुलाई। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बीच राजनीतिक तनाव और विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ रहे हैं। सुधनोती और रावलाकोट जिलों में जारी धरने के कारण चुनाव 10 अगस्त तक स्थगित कर दिए गए हैं। यह विरोध प्रदर्शन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और पब्लिक एक्शन कमेटी के नेतृत्व में पिछले 52 दिनों से जारी है। प्रदर्शनकारी गिरफ्तार कार्यकताओं की रिहाई, दर्ज मामलों को वापस लेने और अपनी अन्य मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि सरकार के साथ हुई बातचीत विफल रही क्योंकि प्रशासन उनकी प्रमुख मांगें मानने को तैयार नहीं हुआ। JAAC ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो

हजारों लोग रावलाकोट से मुजफ्फराबाद तक मार्च करेंगे।

इस बीच, मीरपुर डिवीजन की 13 विधानसभा सीटों पर पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। हालांकि, कई राजनीतिक दलों का कहना है कि लंबे समय से जारी हड़ताल और प्रदर्शनों के कारण चुनाव प्रचार गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता की प्राथमिकता चुनाव नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं, महंगाई, बिजली और आटे की कीमतों जैसे मुद्दों का समाधान है। उनका दावा है कि अवामी एक्शन कमेटी के आंदोलन के दबाव के बाद सरकार को आटा और बिजली की कीमतें कम करनी पड़ी थीं।

नेशनल हेराल्ड केस : दिल्ली हाई कोर्ट ने गांधी परिवार को दिया 3 हफ़्ते का समय, ईडी की याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरे प्रतिवादियों को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ़्ते का समय दिया। ट्रायल कोर्ट ने एऊकी चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। जस्टिस मनोज जैन ने कहा कि मामले की सुनवाई 10 सितंबर को होगी। गांधी परिवार के अलावा, ईडी की याचिका पर सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी को भी नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हम आज इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। आज दो और मामले हैं जिनका समय तय है। आज का कामकाज का बोझ ज्यादा है। प्रतिवादियों के सीनियर वकील ने ईडी की याचिका का जवाब देने के लिए समय मांगा। ED की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने बहुत बड़ी गलती की है और बताया कि दो महीने पहले समय दिए जाने के बावजूद अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। उन्होंने तर्क दिया, यह पूरी तरह से कानून का सवाल है। जवाब दाखिल करने के लिए दो महीने पहले समय दिया गया था। मैं जवाब दाखिल करने पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता। यह पूरी तरह से कानून

का सवाल है। इसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया, बहस के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की जाए। अगर जवाब अभी तक दाखिल नहीं किया गया है, तो उसे तीन हफ़्ते के अंदर दाखिल किया जाए। 22 दिसंबर, 2025 को हाई कोर्ट ने एऊ की मुख्य याचिका और 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की उसकी अजी पर नोटिस जारी किया था। उस आदेश में कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानून के तहत मान्य नहीं था, क्योंकि यह FIR पर आधारित नहीं थी। ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के साथ-साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और 'यंग इंडियन' पर साज़िश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। एजेंसी का आरोप है कि 'नेशनल हेराल्ड' अखबार छापने वाली कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (AJL) की लगभग 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का अधिग्रहण किया गया। साथ ही, गांधी परिवार की 'यंग इंडियन' में 76% हिस्सेदारी थी, जिसने 90 करोड़ रुपये के लोन के बदले धोखाधड़ी से अखछ की संपत्ति हड़प ली। इससे पहले, 19 फरवरी को मेहता ने हाई कोर्ट से कहा था कि इस मामले में कानून का एक अहम सवाल शामिल है और ट्रायल कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार करने के लिए जो कारण बताए थे।

ब्लैक सी हमले में भारतीय नाविक की मौत पर भारत सख्त, रूस के बाद अब यूक्रेन का राजदूत किया तलब

नई दिल्ली। काला सागर (ब्लैक सी) में मालवाहक जहाज एमवी ओमोर्फी पर हुए हमले में भारतीय नाविक सागर गुप्ता की मौत के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को तलब कर इस घटना पर जवाब मांगा है। यह हमला 18 जुलाई को हुआ था।

उस समय जहाज पर कुल 10 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें तीन भारतीय नागरिक शामिल थे। भारतीय नाविक संगठनों का दावा है कि जहाज पर हमला यूक्रेनी ड्रोन से किया गया। इस हमले में सागर गुप्ता की मौत हो गई, जबकि अन्य दो भारतीय सुरक्षित हैं।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि व्यापारिक जहाजों और निर्दोष नागरिक क्रू सदस्यों पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने सभी

पक्षों से समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैश्विक व्यापार को बाधित न होने देने की अपील की है। टएअ ने भारतीय नाविकों और शिपिंग कंपनियों को भी सलाह दी है कि ब्लैक सी जैसे संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में काम स्वीकार करने से पहले सुरक्षा जोखिम, जहाज के मार्ग, बीमा और आपातकालीन व्यवस्था की पूरी जानकारी लें।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्लैक सी क्षेत्र लंबे समय से अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

टीम इंडिया की 'गंभीर' समस्या: जीत के बाद श्रेयस ने लक्ष्मण को लेकर ऐसा क्या कहा?

नई दिल्ली, 27 जुलाई। आयरलैंड और इंग्लैंड में टी20 सीरीज गंवाने के बाद श्रेयस अय्यर ने आखिरकार जीत का स्वाद चखा और जिम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस जीत के बाद ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो चर्चा का विषय बन गया, जिसमें अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण और कप्तान श्रेयस अय्यर एक-दूसरे की जमकर तारीफ करते नजर आए। श्रेयस ने टीम को संभालने और युवा खिलाड़ियों का

आत्मविश्वास बढ़ाने का श्रेय लक्ष्मण को दिया। हालांकि, उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई फैंस ने स्थायी मुख्य कोच गौतम गंभीर की कार्यशैली की तुलना शुरू कर दी और उन्हें लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगीं। दरअसल, भारत के नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर और अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में एक-दूसरे की भूमिका की सराहना की। भारत ने इस सीरीज में अपेक्षाकृत नई टीम उतारी थी जिसमें संजू सैमसन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे कई खिलाड़ी शामिल नहीं थे। भारत ने रविवार को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में 35 रन की जीत के साथ सीरीज में क्लीन स्वीप किया। भारत ने पहला मैच सात विकेट से और दूसरा टी20 90 रन से जीता था। तीसरे टी20 में जीत के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो साझा किया, जिसमें लक्ष्मण ने अय्यर की मजबूत मानसिकता की सराहना की है।

लक्ष्मण ने इस महीने की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं श्रेयस को विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं क्योंकि उनके कप्तानी करियर की शुरूआत थोड़ी मुश्किल रही, लेकिन जिस तरह से उन्होंने वापसी की, वह शानदार था। वह पहले मैच से एक दिन पहले जब हमसे जुड़े और तभी से जीत के लिए आश्वस्त थे।'

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

-ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी ह्यहनीमून मर्डरह्न प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं।

हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- ह्यजब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान। भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि ह्यभावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकतेह्न, हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-मैं से पहले हम का भाव। आज हम की जगह मैं ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति ह्यसंयुक्त परिवारह्न कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

राष्ट्रीय संप्रभुता बनाम संदिग्ध विदेशी फंडिंग: FCRA के चक्रव्यूह से क्यों छटपटा रहे हैं छद्म संगठन?

अशोक भाटिया

किसी भी संप्रभु लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए उसकी आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव और राजनीतिक अखंडता सर्वोपरि होती है. जब कोई देश बाहरी ताकतों के दखल के बिना अपनी नीतियां बनाने और शासन चलाने की स्वतंत्रता खो देता है, तो उसका लोकतंत्र केवल एक दिखावा बनकर रह जाता है। इतिहास गवाह है कि विकासशील देशों को अस्थिर करने के लिए बंदूकों और मिसाइलों से ज्यादा खतरनाक हथियार 'अदृश्य धन' को बनाया जाता है। परोपकार, मानवाधिकार और सामाजिक कल्याण के मुखौटे के पीछे छिपी विदेशी फंडिंग कई बार राष्ट्रों के भीतर गृहयुद्ध, विभाजनकारी आंदोलनों और सांस्कृतिक संकटों को जन्म देती है। भारत ने इस खतरे को न केवल भांपा है, बल्कि समय-समय पर अपने कानूनी सुरक्षा तंत्र को अभेद्य भी बनाया है। इसी सुरक्षा तंत्र का सबसे अचूक और शक्तिशाली ब्रह्मास्त्र है– विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, जिसे हम FCRA के नाम से जानते हैं.

हाल के दिनों में FCRA संशोधन विधेयक 2026 और संशोधित FCRA नियम 2026 को लेकर देश के भीतर और बाहर एक विशेष लॉबी द्वारा भारी शोर मचाया जा रहा है. खुद को नागरिक समाज का अलंबरदार कहने वाले कुछ संगठन, मानवाधिकारों की दुहाई देने वाली कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और तथाकथित बौद्धिक वर्ग इस कानून को 'दमनकारी' और 'अलोकतांत्रिक' साबित करने पर तुले हैं. लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि यदि नियत साफ है, सेवा का संकल्प सच्चा है, और आने वाले पैसे की पाई-पाई वैध है, तो कानून की कड़ाई से इतनी छटपटाहट क्यों? पारदर्शिता के तकाजों से केवल वही बिफर सकते हैं, जिनके बहीखातों में हेरफेर है और जिनकी फंडिंग का असली मकसद जनसेवा नहीं, बल्कि देश के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करना है। यह सम्पादकीय इस बात की गहराई से पड़ताल करता है कि आखिर क्यों भारत का यह संप्रभु अधिकार कुछ खास 'गलत लोगों' की आंखों की किरकिरी बन गया है।

FCRA कोई नया कानून नहीं है। इसकी शुरूआत आपातकाल के दौरान 1976 में हुई थी, जब तत्कालीन सरकार को यह महसूस हुआ कि विदेशी ताकतें भारत के चुनावों, राजनीतिक दलों और जनमत को प्रभावित करने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही हैं. इसके बाद वर्ष 2010 में इसे पूरी तरह से नया रूप दिया गया, ताकि गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के माध्यम से आने वाले धन की निगरानी की जा सके. समय के साथ अपराधियों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों ने कानून की कमियों का फायदा उठाकर 'फंड डाइवर्जन' और 'लेयरिंग' (पैसे को कई खातों में घुमाना) के नए-नए रास्ते खोज निकाले।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस खतरे को गंभीरता से लिया और 2020 में इसमें क्रांतिकारी संशोधन किए. इन संशोधनों के तहत सभी NGOs के लिए देश के केंद्रीय बैंक के सहयोग से भारतीय स्टेट बैंक (SBI), नई दिल्ली मुख्य शाखा में ही अपना FCRA खाता खोलना अनिवार्य कर दिया गया। इसके अलावा, प्रशासनिक खर्चों की सीमा को 50% से घटाकर 20% कर दिया गया और सबसे महत्वपूर्ण–एक NGO द्वारा दूसरे NGO को विदेशी फंड ट्रांसफर करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। वर्ष 2026 तक आते-आते गृह मंत्रालय ने इसके नियमों को और अधिक उद्देश्य-आधारित और भौगोलिक रूप से ट्रैक करने योग्य बना दिया है. अब विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं को यह स्पष्ट करना होता है कि वे किस राज्य के किस जिले में, और किस विशिष्ट कार्य के लिए पैसा खर्च कर रही हैं. पांच दशकों की यह विधायी यात्रा दर्शाती है कि भारत ने कभी भी वैध विदेशी चैरिटी को नहीं रोका, बल्कि उसने केवल उस पैसे को रोका है जो लोकतंत्र की जड़ों में दीमक बनकर लग रहा था ।

दरअसल भारत की सांस्कृतिक विविधता और जनसांख्यिकी को बदलने के लिए दशकों से विदेशी धन का एक बड़ा हिस्सा अवैध धार्मिक रूपांतरण के खेल में झोंका जाता रहा है. सेवा के नाम पर दूरदराज के आदिवासी इलाकों, गरीब बस्तियों और वंचित समाजों में अस्पताल या स्कूल खोले जाते हैं, लेकिन उनका छिपा हुआ एजेंडा मतांतरण होता है। FCRA नियम 2026 ने इस पर सबसे करारी चोट की है. नए नियमों में अनुमत धार्मिक गतिविधियों की एक स्पष्ट और सख्त सूची जारी की गई है, जिसमें धार्मिक बुनियादी ढांचे का रखरखाव, धार्मिक शिक्षा, पारंपरिक संगीत और स्वदेशी विश्वासों का संरक्षण तो शामिल है, लेकिन किसी भी प्रकार का प्रलोभन, लालच या धोखे से कराया जाने वाला धर्मांतरण पूरी तरह प्रतिबंधित है. जो ताकतें भारत की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलकर सामाजिक तनाव पैदा करना चाहती थीं, इस नियम के बाद उनकी पूरी फंडिंग चेन ध्वस्त हो गई है। यही कारण है कि धार्मिक मुखौटा ओढ़े कई गिरोह आज इस कानून के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों के हनन का रोना रो रहे हैं।

गौरतलब है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। भारत की इस आर्थिक प्रगति से कई वैश्विक ताकतें और उनके प्रतिस्पर्धी देश डरे हुए हैं। भारत को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए एक नया ट्रेंड शुरू हुआ जिसे 'इको-वारफेयर' कहा जाता है। विदेशी संस्थाएं भारत के स्थानीय NGOs को करोड़ों रुपये की फंडिंग करती थीं, जिनका काम केवल भारत के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स–जैसे परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेगा हाईवे, माइनिंग प्रोजेक्ट्स और बंदरगाहों–के खिलाफ स्थानीय लोगों को भड़काना और हिंसक विरोध प्रदर्शन आयोजित करना था। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र और वेदांता के स्टरलाइट प्लांट के मामलों में विदेशी फंडिंग की संदिग्ध भूमिका जगजाहिर हो चुकी है। जनहित के नाम पर विकास को बंधक बनाने वाले इन NGOs का धंधा FCRA की कड़ी निगरानी ने पूरी तरह बंद कर दिया है। अब चूंकि हर प्रोजेक्ट के लिए आने वाले फंड का 'अंतिम दाता' और उसकी उपयोगिता सरकार की रडार पर है, इसलिए विकास विरोधी लॉबी पूरी तरह अलग-थलग पड़ गई है.

सच्ची जनसेवा करने वाले संगठन कभी भी संपत्तियों के साम्राज्य खड़े नहीं करते। लेकिन भारत में कई ऐसे NGOs पनप गए थे, जो विदेशों से समाज कल्याण के नाम पर अरबों रुपये लाते थे और उनसे आलीशान इमारतें, होटल, फार्महाउस और व्यावसायिक संपत्तियां खड़ी कर लेते थे। जब सरकार उनके नियमों के उल्लंघन पर उनका लाइसेंस रद्द करती थी, तो वे उन संपत्तियों को बेचकर या घरेलू ट्रस्टों में ट्रांसफर करके बच निकलते थे। FCRA संशोधन विधेयक 2026 ने इस लूपहोल को हमेशा के लिए बंद कर दिया है. विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी संगठन का लाइसेंस सरकार द्वारा रद्द किया जाता है, या वह खुद सरेंडर करता है, या समय पर रिन्यू नहीं करा पाता तो उस विदेशी पैसे से खड़ी की गई तमाम चल-अचल संपत्तियां एक 'नामित प्राधिकरण' के अधीन अनंतिम रूप से निहित हो जाएंगी. यदि संस्था अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाती, तो ये संपत्तियां स्थायी रूप से सरकारी मंत्रालयों या विभागों को जनहित के कार्यों के लिए सौंप दी जाएंगी या उन्हें बेचकर पैसा भारत के संचित कोष में जमा कर दिया जाएगा. अपनी अवैध रूप से कमाई गई जागीर छिन जाने का यह डर ही इन गलत लोगों की बौखलाहट का सबसे बड़ा कारण है।

लोकतंत्र में जनमत का निर्माण स्वतंत्र रूप से होना चाहिए। लेकिन विदेशी एजेंसियां भारत के बुद्धिजीवियों, चुनिंदा पत्रकारों, थिंक-टैंक्स और शैक्षणिक संस्थानों को भारी-भरकम ग्रांट (अनुदान) देकर देश के भीतर एक खास तरह का 'नैरेटिव वारफेयर' चलाती रही हैं। इसका उद्देश्य भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करना, देश की न्यायपालिका और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करना और चुनावों को प्रभावित करना होता है। FCRA कानून स्पष्ट रूप से किसी भी राजनीतिक उम्मीदवार, राजनीतिक दल, सांसद, विधायक, न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और मुख्यधारा के पत्रकारों को विदेशी फंड लेने से प्रतिबंधित करता है. जब २०२० और २०२६ के सख्त नियमों ने इन छद्म बुद्धिजीवियों और एजेंडा-ड्रिवेन पत्रकारों के खातों को फ्रीज करना शुरू किया, तो विदेशी मीडिया में 'भारत में अभिव्यक्ति की आजादी के खतरे' के लेख छपने लगे। असल में यह आजादी पर खतरा नहीं, बल्कि विदेशी टुकड़ों पर पलने वाले नैरेटिव निमार्ताओं के एकाधिकार पर खतरा है। पहले के दौर में विदेशी फंडिंग का एक स्थापित मॉडल था: विदेशों से पैसा दिल्ली या मुंबई के किसी बड़े नामी-गिरामी NGO के खाते में आता था। वह NGO अपनी मर्जी से उस पैसे को देश भर के सैकड़ों छोटे और गैर-पंजीकृत NGOs या सोसायटियों को 'सब-ग्रांट' के रूप में बांट देता था। इस प्रक्रिया में मुख्य डोनर का पता लगाना और पैसे के वास्तविक इस्तेमाल को ट्रैक करना नामुमकिन हो जाता था। इस पैसे का इस्तेमाल अक्सर नक्सल प्रभावित इलाकों में बगावत फैलाने या कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पथराव करने वालों को फंडिंग देने के लिए किया जाता था। २०२० के संशोधन ने सब-ग्रांटिंग को गैर-कानूनी घोषित कर दिया। इसके बाद २०२६ के नियमों ने यह अनिवार्य कर दिया कि यदि कोई विदेशी फंड किसी मध्यस्थ के माध्यम से आ रहा है, तो अंतिम लाभार्थी तक पहुंचने से पहले उसके मूल डोनर की पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। साथ ही, किसी भी प्रोजेक्ट की अगली किस्त तभी जारी होगी जब पिछली किस्त का कम से कम 75% हिस्सा वैध रूप से खर्च हो चुका हो। इस वित्तीय कड़ाई ने फर्जी बिल लगाने वाले और कागजों पर NGO चलाने वाले शातिर अपराधियों की कमर तोड़ दी है।

नीट से शुरू, राजनीति पर खत्म!

-प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहाँ जनता को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है। जब किसी सरकारी व्यवस्था में कमी दिखाई देती है, जब किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, जब युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग जाता है, तब विरोध केवल स्वाभाविक ही नहीं बल्कि आवश्यक भी होता है। किंतु लोकतंत्र की यही शक्ति तब कमजोर पड़ने लगती है जब किसी वास्तविक मुद्दे का केंद्र धीरे-धीरे बदलकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष में परिवर्तित हो जाता है। तब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक लाभ-हानि का गणित आगे आ जाता है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, परिवारों ने अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया, लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे तो स्वाभाविक रूप से छात्रों और अभिभावकों का विश्वास डगमगाया। ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे।

यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है। ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों, गिरोहों अथवा अधिकारियों की निष्पक्ष जांच और शीघ्र दंड आवश्यक है। यदि व्यवस्था में कमियाँ हैं तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, डिजिटल निगरानी बढ़ाना, उत्तरदायित्व तय करना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन बढ़े, अनेक स्थानों पर मूल मुद्दे की जगह राजनीतिक विमर्श ने ले ली। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक समूहों ने इस विषय को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना शुरू किया। छात्रहित का प्रश्न धीरे-धीरे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बन गया। कुछ मंचों पर सरकार की नीतियों की आलोचना हुई, तो कहीं पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाए गए। कहीं-कहीं भाषा की मर्यादा भी टूटती दिखाई दी। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या आंदोलन का लक्ष्य छात्रों को न्याय दिलाना था या राजनीतिक लाभ अर्जित करना?

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष सरकार से प्रश्न पूछता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज को संसद तथा सड़कों तक पहुँचाता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी केवल अपनी उपलब्धियाँ गिनाना नहीं, बल्कि जनता की शंकाओं का उत्तर देना भी है। लोकतंत्र तब स्वस्थ रहता है जब दोनों पक्ष अपनी संवैधानिक भूमिका का सम्मान करें। किंतु यदि हर मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ और हानि के तराजू पर तौला जाने लगे तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक का होता है।

भारत का लोकतंत्र अनेक कठिन दौरों से गुजरा है। स्वतंत्रता के बाद देश ने राजनीतिक अस्थिरता भी देखी और आपातकाल जैसा दौर भी, जब नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगे। उसी इतिहास ने यह भी सिखाया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान नहीं करता, बल्कि जागरूक नागरिक भी करते हैं। आज परिस्थितियाँ भिन्न हैं। सोशल मीडिया ने प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। सरकारों की आलोचना पहले से कहीं अधिक खुलकर होती है। यह लोकतंत्र की शक्ति का परिचायक है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभद्रता में अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है, किन्तु व्यक्तिगत अपमान, घृणा और दुष्प्रचार किसी भी स्वस्थ समाज को कमजोर करते हैं।

आज सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल बनाया है, उतना ही जटिल भी। अपुष्ट सूचनाएँ, आधे-अधूरे वीडियो, भावनात्मक पोस्ट और राजनीतिक प्रचार कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाते हैं। परिणामस्वरूप कई बार वास्तविक मुद्दा तथ्यों से अधिक भावनाओं के आधार पर तय होने लगता है। नीट विवाद के दौरान भी अनेक प्रकार की सूचनाएँ और दावे सामने आए। ऐसे समय में नागरिकों, मीडिया और राजनीतिक दलों–सभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे केवल सत्यापित तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर देश में अलग-अलग मत हैं। उनके समर्थक बुनियादी ढाँचे के विस्तार, डिजिटल शासन, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका और कई कल्याणकारी योजनाओं को उनकी उपलब्धियाँ मानते हैं। वहीं उनके आलोचक बेरोजगारी, महँगाई, सामाजिक तनाव और कुछ प्रशासनिक निर्णयों पर गंभीर प्रश्न उठाते हैं। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का अधिकार मिले। किसी भी नेता का मूल्यांकन केवल लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके निर्णयों, परिणामों और जवाबदेही से होना चाहिए।

यह भी ध्यान रखना होगा कि चुनाव लोकतंत्र का अंतिम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण चरण हैं। जनता अपने विवेक से उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक को चुनती है। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनी हुई सरकार आलोचना से ऊपर हो जाती है। उसी प्रकार यह भी उचित नहीं कि प्रत्येक सरकारी निर्णय को बिना तथ्यों के नकार दिया जाए। लोकतंत्र का संतुलन इसी में है कि उपलब्धियों को स्वीकार किया जाए और कमियों पर स्पष्ट प्रश्न भी उठाए जाएँ।

नीट विवाद ने शिक्षा व्यवस्था की एक गहरी समस्या को उजागर किया है। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएँ केवल परीक्षा नहीं रह गईं, बल्कि करोड़ों परिवारों की सामाजिक और आर्थिक आकांक्षाओं का आधार बन चुकी हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का संकट बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि परीक्षा प्रणाली को राजनीतिक बहस का स्थायी विषय बनाने के बजाय संस्थागत सुधार का अवसर बनाया जाए। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी छात्र आंदोलन का नेतृत्व राजनीतिक मंचों के माध्यम से होगा तो जनता स्वाभाविक रूप से उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाएगी। इसी प्रकार यदि सरकार केवल विपक्ष की आलोचना को राजनीति कहकर टाल देगी तो जनता का विश्वास भी कम होगा। समाधान टकराव में नहीं, बल्कि संवाद में है। लोकतंत्र में संवाद ही वह माध्यम है जिसके द्वारा असहमति को भी सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह किसी भी आंदोलन का समर्थन या विरोध तथ्यों के आधार पर करे। किसी भी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के विरुद्ध घृणा फैलाना किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना के विपरीत है। यदि किसी वास्तविक मुद्दे को सामाजिक विभाजन का माध्यम बनाया जाता है तो अंततः उसका सबसे बड़ा नुकसान उसी उद्देश्य को होता है जिसके लिए आंदोलन प्रारंभ किया गया था। आज आवश्यकता केवल दोष तय करने की नहीं, बल्कि भविष्य सुरक्षित करने की है। परीक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीक का उपयोग, प्रश्नपत्र सुरक्षा के बेहतर मानक, पारदर्शी जांच, समयबद्ध न्याय, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड तथा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रभावी सहायता व्यवस्था– ये सभी सुधार समय की मांग हैं। यदि इन पर गंभीरता से अमल होता है तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

लोकतंत्र की सफलता केवल सत्ता परिवर्तन से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक कसौटी यह है कि नागरिकों का विश्वास संस्थाओं में कितना बना हुआ है। सरकार की जवाबदेही जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण जनता की जिम्मेदारी भी है। विरोध आवश्यक है, लेकिन विरोध का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, अराजकता नहीं। आलोचना आवश्यक है, लेकिन उसका आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। समर्थन भी आवश्यक है, लेकिन वह अंधानुकरण नहीं, विवेकपूर्ण विश्वास पर आधारित होना चाहिए। अंततः प्रश्न केवल नीट का नहीं है। प्रश्न उस व्यवस्था का है जिस पर देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य निर्भर करता है। प्रश्न उस लोकतंत्र का भी है जो हर नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार देता है। यदि हम इन दोनों की गरिमा बनाए रखने में सफल होते हैं तो यही इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। विद्यार्थियों को न्याय मिले, दोषियों को दंड मिले, संस्थाएँ और मजबूत हों तथा राजनीतिक दल छात्रहित को दलहित से ऊपर रखें– यही किसी भी संवेदनशील लोकतंत्र की पहचान है। क्योंकि लोकतंत्र तब सबसे अधिक मजबूत होता है जब हर संघर्ष का अंतिम लक्ष्य सत्ता नहीं, समाज का विश्वास और राष्ट्र का भविष्य हो।

पत्रकारिता की निष्पक्षता और लोकतंत्र की मजबूती

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान, चुनाव और शासन व्यवस्था पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि उन संस्थाओं पर भी आधारित होती है जो जनता और सरकार के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही और संवाद बनाए रखती हैं। इन्हीं संस्थाओं में पत्रकारिता को लोकतंत्र का ऱचौथा स्तंभऱ कहा जाता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज तक सत्य, निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनहित से जुड़ी जानकारी पहुँचाना है, ताकि नागरिक सही जानकारी के आधार पर अपने विचार बना सकें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। एक स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकार किसी राजनीतिक दल, विचारधारा, संगठन या व्यक्ति का प्रवक्ता नहीं होता। उसका दायित्व सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों से समान रूप से प्रश्न पूछना, नीतियों का विश्लेषण करना, जनता की समस्याओं को सामने लाना तथा तथ्यों के आधार पर समाचार प्रस्तुत करना है। पत्रकार का कार्य किसी का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि सत्य की खोज कर उसे समाज तक पहुँचाना है। यही पत्रकारिता की मूल भावना है। पत्रकारिता का लोकतंत्र में महत्व

लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है और जनता तक सही जानकारी पहुँचाना पत्रकारिता का सबसे बड़ा दायित्व है। यदि नागरिकों को सही, संतुलित और समय पर जानकारी नहीं मिलेगी, तो वे न तो शासन की कार्यप्रणाली का सही मूल्यांकन कर पाएँगे और न ही अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहेंगे। पत्रकारिता सरकार की योजनाओं, प्रशासनिक निर्णयों, न्यायिक प्रक्रियाओं, सामाजिक आंदोलनों, आर्थिक नीतियों, शिक्षा, स्वास्थ्य,

पर्यावरण और स्थानीय समस्याओं को जनता तक पहुँचाकर लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाती है।

पत्रकार अक्सर उन मुद्दों को भी सामने लाते हैं जो सामान्यतः लोगों की नजरों से दूर रह जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की पंचायतों, नगर निकायों, पुलिस प्रशासन, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, सामाजिक संगठनों की गतिविधियों, भ्रष्टाचार, जनसुविधाओं की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को उजागर करने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कई बार उनकी रिपोर्टिंग के कारण प्रशासन सक्रिय होता है और आम लोगों को न्याय मिलता है। पत्रकारिता की विश्वसनीयता उसकी निष्पक्षता पर आधारित होती है। यदि समाचार तथ्यों की बजाय व्यक्तिगत विचारों, राजनीतिक झुकाव या पक्षपात से प्रभावित होने लगें, तो समाज का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए पत्रकारों के लिए आवश्यक है कि वे किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों की पुष्टि करें, सभी संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण जानें और सनसनी फैलाने के बजाय जिम्मेदार रिपोर्टिंग करें।

निष्पक्ष पत्रकारिता का अर्थ यह नहीं कि हर पक्ष को समान रूप से सही बताया जाए, बल्कि इसका अर्थ है कि सत्य, प्रमाण और जनहित के आधार पर तथ्यों को प्रस्तुत किया जाए। पत्रकार का दायित्व है कि वह किसी भी विषय पर बिना पूर्वाग्रह के जानकारी एकत्र करे और उसे संतुलित रूप में जनता तक पहुँचाए।

हाल के वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जिनमें पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार, धमकी, हमला या अभद्र व्यवहार किए जाने के आरोप लगे हैं। हाल ही में जंतर-मंतर पर एक पत्रकार के साथ कथित मारपीट और उन्हें ऱगोदी मीडियाऱ कहकर निशाना बनाए जाने की घटना ने एक बार फिर पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चर्चा को तेज कर दिया है।

यदि किसी पत्रकार के साथ वास्तव में मारपीट या दुर्व्यवहार हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप जांच होनी चाहिए। दोषी चाहे किसी भी संगठन, विचारधारा या राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े हों, उनके विरुद्ध समान रूप से कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। किसी पत्रकार पर केवल उसकी रिपोर्टिंग के आधार पर हमला करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।

इसी प्रकार, यदि किसी समाचार या रिपोर्ट पर किसी व्यक्ति, संस्था या राजनीतिक दल को आपत्ति है, तो उसका समाधान तथ्यों, संवाद, प्रेस परिषद, न्यायालय या अन्य कानूनी माध्यमों से किया जाना चाहिए। हिंसा, धमकी, सोशल मीडिया पर नफरत फैलाना या शारीरिक हमला किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। आज के डिजिटल युग में पत्रकारिता अनेक नई चुनौतियों का सामना कर रही है। सोशल मीडिया पर फर्जी समाचार, आधी-अधूरी जानकारी, भ्रामक वीडियो और अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। ऐसे वातावरण में विश्वसनीय पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसके अलावा, पत्रकारों पर राजनीतिक दबाव, आर्थिक हितों का प्रभाव, टीआरपी और क्लिक की प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया ट्रोलिंग तथा सुरक्षा संबंधी जोखिम भी गंभीर चुनौतियाँ हैं। कई बार पत्रकारों को कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, फिर भी उनसे निष्पक्षता, संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। पत्रकारिता केवल पत्रकारों की जिम्मेदारी नहीं है।

– नानबाबू चौहान

सीआईएसएफ के दो सेवानिवृत्त स्निफर डॉग जूली एवं अग्नि की 30 जुलाई को होगी नीलामी

पालघर (उत्तरशक्ति)। सीआईएसएफ यूनिट बीएआरसी-टीएपीएस, तारापुर द्वारा अपने दो सेवानिवृत्त स्निफर डॉग 'जूली' और 'अग्नि' (लैब्राडोर रिट्रीवर) की सार्वजनिक नीलामी गुरुवार 30 जुलाई 2026 को आयोजित की जायेगी। यह नीलामी शाम 4:30 बजे सीआईएसएफ डॉग केनेल, यूनिट लाइन, पंचमार्ग में होगी।

सीआईएसएफ की ओर से जारी सूचना के अनुसार नीलामी में भाग लेने के इच्छुक पात्र व्यक्ति एवं कर्मचारी निर्धारित औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बोली प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। नीलामी में शामिल दोनों श्वान जूली और अग्नि की आयु 8 वर्ष 3 माह है। दोनों लैब्राडोर रिट्रीवर नस्ल के प्रशिक्षित स्निफर डॉग हैं। सीआईएसएफ के अनुसार, दोनों ने लगभग आठ वर्षों तक सुरक्षा सेवाओं में उत्कृष्ट एवं समर्पित योगदान दिया है। सेवानिवृत्ति के बाद इन्हें नीलामी के माध्यम से नए संरक्षक को सौंपा जायेगा। सीआईएसएफ ने बताया कि दोनों श्वान पूरी तरह प्रशिक्षित, अनुशासित, आज्ञाकारी और मिलनसार हैं तथा सुरक्षा कर्मियों के साथ कार्य करने के अभ्यस्त रहे हैं। इच्छुक व्यक्तियों को नीलामी प्रक्रिया, पात्रता एवं अन्य नियमों की विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई है। सीआईएसएफ ने पात्र इच्छुक नागरिकों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

मीरा रोड के ए एन के स्पा सेंटर पर पुलिस की छापेमारी, मैनेजर और मालिक हिरासत में

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूर्व स्थित कनकिया पुलिस स्टेशन की सीमा में बेवर्ली पार्क रोड पर आरबीके स्कूल के सामने स्थित ए एन के स्पा सेंटर पर मीरा रोड डिवीजन के एसीपी गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने छापेमारी की। पुलिस कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर के मैनेजर और मालिक को हिरासत में लिया गया। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सेंटर से 5 युवतियों को वेश्यावृत्ति के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद स्पा सेंटर संचालकों में हड़कंप मच गया है।

भिवंडी में 28 जुलाई को 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर' का किया जायेगा आयोजन

भिवंडी। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार आम नागरिकों तक विभाग की सेवाएं घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य से 28 जुलाई (मंगलवार) को भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर' का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर शांतिनगर स्थित पालिका स्कूल क्रमांक 22-62 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। इसकी जानकारी तहसीलदार अभिजीत खोले ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजितदादा पवार की जयंती के उपलक्ष्य में राज्यभर में 22 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक विशेष राजस्व समाधान अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत भिवंडी में यह शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में आधार कार्ड पंजीकरण एवं संशोधन, आयुष्मान भारत कार्ड, नई राशन कार्ड संबंधी सेवाएं, आय एवं निवास प्रमाणपत्र, संजय गांधी निराधार योजना, आवास योजना, स्वामित्व योजना के तहत सनद वितरण, मुख्यमंत्री बलीराजा खेत/पाणंद मार्ग योजना, जीवंत 7/12 अभियान, सरकारी भूमि पर आवासीय अतिक्रमण नियमितीकरण, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच तथा रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा।तहसीलदार अभिजीत खोले ने भिवंडी के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

जावा येज्दी मोटरसाइकल्स और भारतीय सेना शौर्य विजय यात्रा के लिए एक साथ आए, कारगिल विजय दिवस पर द्रास में हुआ समापन

मुंबई। भारतीय सेना के साथ साझेदारी में आयोजित जावा येज्दी मोटरसाइकल्स की शौर्य विजय यात्रा का समापन कारगिल विजय दिवस के अवसर पर द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर हुआ। नई दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से शुरू हुई इस 1,900 किमी की यात्रा में सेवारत व सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी, वीर नारियां, शहीदों के परिवार और सिविलियन राइडर्स एक साथ आए। इस अभियान ने 1999 के कारगिल युद्ध के नायकों की वीरता, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण क्षण राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से पवित्र मिट्टी को कारगिल युद्ध स्मारक तक ले जाना था, जो प्रतीकात्मक रूप से भारतीय सैनिकों की उन पीढ़ियों को जोड़ता है जिनकी अटूट प्रतिबद्धता देश की स्वतंत्रता की रक्षा करती आ रही है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के दुर्गम इलाकों से गुजरते हुए, प्रतिभागियों ने द्रास पहुंचने से पहले चंडीमंदिर, रेजांग ला और लेह युद्ध स्मारक सहित प्रमुख सैन्य स्थलों पर श्रद्धांजलि दी। यह यात्रा न केवल एक मेमोरियल राइड थी, बल्कि भारत के सशस्त्र बलों की स्थायी विरासत और उनके द्वारा बनाए रखे गए मूल्यों की याद दिलाने का भी एक जरिया बनी। वर्ष 2021 में अपनी शुरूआत के बाद से, जावा येज्दी मोटरसाइकल्स द्वारा परिकल्पित इस राइड का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की कहानियों को सैन्य हलकों से आगे बढ़ाकर जनता की चेतना तक ले जाना रहा है। राइडिंग कम्युनिटी के सदस्यों, सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीदों के परिवारों को एक साथ लाकर, इस पहल ने एक ऐसे अनूठे नागरिक-सैन्य आंदोलन का रूप ले लिया है जो भावी पीढ़ियों के लिए साहस, कर्तव्य और निःस्वार्थ सेवा की भावना को संजोने के लिए समर्पित है। इस वर्ष के अभियान को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था और इसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक तथा आमंत्रित अतिथि शामिल हुए थे, जो इस पहल के महत्व और सार्वजनिक स्मरण को बढ़ावा देने में इसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है।

चिन्मया विद्यालय में इंटरेक्ट क्लब का पुनर्गठन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था चिन्मया विद्यालय में सोमवार 27 जुलाई 2026 को प्राचार्या डिम्पल मिस्त्री के मार्गदर्शन में इंटरेक्ट क्लब ऑफ चिन्मया विद्यालय का पुनर्गठन समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ चिन्मयानंद गुरुजी को समर्पित संस्कृत मंत्रोच्चार से हुआ। इसके पश्चात विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, तत्कालीन अध्यक्ष (आई.पी.पी.) राम नारायण गोयल, विद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट एवं रोटरी क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट तथा यूथ सर्विस डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी, पास्ट प्रेसिडेंट विनायक पदमवार, क्लब सचिव राकेश जैन, रोटेरियन अलका जैन, रत्ना सिंह एवं शानू ठाकुर की विशेष उपस्थिति रही।

ज्ञात हो कि इंटरेक्ट क्लब का कार्यकाल एक वर्ष का होता है, जिसके अंतर्गत प्रतिवर्ष अध्यक्ष, सचिव एवं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का निर्वाचन किया जाता है। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष कुमारी विधि पिम्पले एवं सचिव रोहित विश्नोई ने परंपरानुसार अपने दायित्व नव-निर्वाचित अध्यक्ष कुमारी अर्यमा द्विवेदी तथा सचिव

ऋतुराज प्रधान को विधिवत सौंपे। पिछले दस वर्षों से चिन्मया विद्यालय के इंटरेक्ट क्लब समन्वयक के रूप में कार्यरत डॉ. पराग कुलकर्णी ने इस अवसर पर रोटेरियन शानू ठाकुर को विद्यालय का नया इंटरेक्ट क्लब समन्वयक नियुक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान कीं। रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष कुमारी अर्यमा द्विवेदी एवं सचिव ऋतुराज प्रधान को रोटरी पिन पहनाकर उन्हें पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इंटरेक्ट क्लब विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, अनुशासन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के संस्कार छात्र जीवन से ही विकसित होने चाहिए, जिससे युवा भविष्य में आदर्श नागरिक बन सकें।

यूथ सर्विस डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रोटरी युवाओं को सेवा, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के व्यापक अवसर प्रदान करती है। इंटरेक्ट क्लब के माध्यम से छात्र-छात्राएँ समाजोपयोगी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या डिम्पल मिस्त्री ने सभी अतिथियों, रोटरी पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए नवगठित टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह के उपरांत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों एवं अतिथियों ने विभिन्न प्रजातियों के 25 पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

एफएमबीएएफ मीडिया अवॉर्ड 2026 से सम्मानित हुए भिवंडी के पत्रकार श्रीनिवास सिरीमल्ले

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई के दादर स्थित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज नाट्यमंदिर के शाहू सभागृह में 26 जुलाई 2026 को आयोजित भव्य सम्मान समारोह में पत्रकार एवं समाजसेवी श्रीनिवास सिरीमल्ले को एफएमबीएएफ मीडिया अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम एएन इंडिया ग्रुप एवं सैनिक फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनेक व्यक्तित्वों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में श्रीनिवास सिरीमल्ले के उल्लेखनीय योगदान और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर श्रीनिवास सिरीमल्ले ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाजहित एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

मोदी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं विदेशी ताकतें: भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने कहा है कि इस समय देश गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है और विदेशी ताकतें मोदी सरकार को अस्थिर का षडयंत्र कर रही हैं। इस हालात में सभी हिंदुओं को एकजुटता बनाए रखना है और विदेशी षडयंत्र को कामयाब नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को समझना चाहिए कि ऑपरेशन 37' क्या है और भारत आज इतने बड़े खतरे का सामना क्यों कर रहा है?

उन्होंने कहा कि दावा किया जा रहा है कि ऑपरेशन 37' देश के दुश्मनों और देशद्रोहियों द्वारा मोदी सरकार को गिराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कहा जा रहा है कि

अमेरिकी राष्ट्रपति ने CIA और तथा कथित 'डीप स्टेट'को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए 12 महीने की समयसीमा दी है।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पहले से ही जाति और क्षेत्रीय आधार पर लोगों को बांटने, भ्रामक आंदोलनों के माध्यम से सार्वजनिक शांति भंग करने तथा फर्जी मतदान के आरोप जैसे मुद्दों का इस्तेमाल करने की योजना बनाई है। इसमें जगदीप धनखड़ की घटना को भी एक उदाहरण बताया गया है। यह भी दावा किया गया है कि भाजपा के कम से कम 37 सांसदों को तोड़कर पार्टी में विभाजन कराने की कोशिश की जाएगी।

भवानजी ने कहा कि अन्य उदाहरणों के रूप में दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में कर, आरक्षण या कुछ किसान नेताओं के माध्यम से हिंदुओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तथा जन्माष्टमी के अवसर पर गोमांस खाने संबंधी कुछ नेताओं के बयानों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि दावा किया गया है कि विशेष रूप से हिंदुओं को विभाजित करने के सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान को उकसाकर भारत को यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे लंबे संघर्ष में उलझाने की कोशिश की जा रही है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचे।

मलंगगढ़ के स्कूली विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित

श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की पहल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से मलंगगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए महेश गायकवाड़ के हांथो 100 साइकिलों का वितरण किया गया। यह पहल शिवसेना के नगरसेवक एवं संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के प्रयासों से आयोजित की गई।

ढोके गांव स्थित संत सावळाराम महाराज विद्यालय के विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं। इस विद्यालय में मलंगगढ़ क्षेत्र के कई गांवों से छात्र-छात्राएं प्रतिदिन पैदल चलकर पढ़ाई के लिए आते हैं। विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में सुविधा हो और उनकी शिक्षा में दूरी बाधा न बने, इसी उद्देश्य से 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को साइकिलें

प्रदान की गईं।

इस अवसर पर शिवसेना के अंबरनाथ तालुका प्रमुख चैनू जाधव, हनुमान ठोंबरे, नगरसेवक कैलास जोशी, मधुर म्हात्रे, निलेश खंबायत, चंद्रशेखर म्हात्रे सहित ग्रामीण क्षेत्र के अनेक पदाधिकारी और विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए ऐसे सामाजिक प्रयास भविष्य में भी जारी रहने चाहिए।

फूलन देवी के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित, लोगों ने किया नमन

मुम्बई(उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा रविवार को स्वर्गीय सांसद वीरांगना फूलन देवी का शहादत दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम मछलीशहर चुंगी चौराहा स्थित केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन कार्यालय पर आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वीरांगना फूलन देवी के संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान तथा वंचित समाज की आवाज को बुलंद करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प

अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में एकता, शिक्षा व सामाजिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का आयोजन केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बिंद (अध्यापक), प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश चंद बिंद, जिला उपाध्यक्ष शिवराज बिंद, डॉ. महेश प्रताप बिंद, राहुल बिंद, राधेश्याम बिंद (अध्यापक), रमापति बिंद, हंसराज बिंद (कोटेदार), इंद्रेश्वर बिंद, सूर्यलाल पटेल (अध्यापक), अमर बहादुर पटेल, नागेश्वर पटेल, महेंद्र बिंद, अशोक कुमार बिंद, डॉ. अनुराग बिंद, डॉ. राजेंद्र बिंद, गोलू बिंद, सनी बिंद, डॉ. राकेश बिंद सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज के लोग उपस्थित रहे।

भिवंडी में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक

आयुक्त ने काम में तेजी लाने का दिया निर्देश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। केंद्र एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) अभियान के तहत भिवंडी मनपा में आयुक्त अनमोल सागर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त एवं अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी विठ्ठल डाके, भिवंडी पश्चिम के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी बाबासाहेब टेले, भिवंडी पूर्व के सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी अजय घोलवे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 56 प्रतिशत तथा भिवंडी पूर्व में 60 प्रतिशत रक्फ़फॉर्म का वितरण पूरा हो चुका है। वहीं डिजिटाइजेशन का कार्य भिवंडी पूर्व में 30 प्रतिशत और भिवंडी पश्चिम में 27 प्रतिशत पूरा हुआ है। आयुक्त ने शेष कार्य को युद्धस्तर पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए तथा अधिकारियों से हर दो घंटे में कार्य की समीक्षा करने को कहा। आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों से

अपील की कि जिन्होंने इछड से रक्फ़ फॉर्म प्राप्त कर उसे भर लिया है, वे उसे जल्द से जल्द संबंधित इछड के पास जमा करें, ताकि समय पर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो सके। जिन स्थानों पर मतदाता निवास नहीं करते या उपलब्ध नहीं हैं, वहां पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में चुनावी कार्य निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पूरा करने, किसी भी राजनीतिक दबाव से प्रभावित न होने तथा लापरवाही या अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई। साथ ही शिक्षकों एवं आशा कार्यकताओं की सेवाएं पूर्णकालिक उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक योजना बनाने के निर्देश दिए गए। अभियान अंतिम चरण में होने के कारण आम नागरिकों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए घंटागाड़ी के माध्यम से प्रचार, समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित करने तथा शहर में मुनादी कर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी आयुक्त ने दिए।

मेक इन इंडिया को गति: भारत के ऑटोमोटिव सेक्टर को मजबूती देने के लिए गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने एडवांस्ड टूलिंग क्षमताओं को बढ़ाया

मुंबई। भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग जैसे-जैसे अधिक स्वदेशीकरण (लोकलैजेशन), अगली पीढ़ी के मोबिलिटी प्लेटफॉर्म और उन्नत निर्माण प्रक्रियाओं की ओर बढ़ रहा है, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का टूलिंग बिजनेस ओईएम और टियर-1 आपूर्तिकताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी एडवांस्ड इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। अपने व्यवसाय के 85% से अधिक हिस्से के साथ ऑटोमोटिव क्षेत्र से जुड़े होने के कारण, यह कंपनी हाई-प्रिसिजन (अत्यधिक सटीक) टूलिंग समाधानों के माध्यम से पैसेंजर व्हीकल, टू-व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल और इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लेटफॉर्म से जुड़े ग्राहकों के साथ साझेदारी कर रही है। आज ऑटोमोटिव ग्राहकों को सप्लाई की जाने वाली 95% टूलिंग का निर्माण स्थानीय स्तर पर ही किया जाता है, जो भारत के घरेलू टूलिंग इकोसिस्टम की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी सरकारी पहलों के साथ-साथ सप्लाई चेन को मजबूत बनाने पर बढ़ते जोर से मैन्युफैक्चरर्स को स्थानीय स्तर पर अधिक खरीद करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का टूलिंग व्यवसाय प्रेस टूल्स, डाई-कास्टिंग डाइज और प्रिसिजन टूलिंग सिस्टम सहित कई तरह के समाधान उपलब्ध कराता है। ये समाधान मैन्युफैक्चरर्स को उत्पादकता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता के उच्च स्तर हासिल करने में मदद करते हैं। ऑटोमोटिव क्षेत्र के अलावा, यह व्यवसाय इंडस्ट्रियल मशीनरी, रेलवे, मेट्रो रेल और रक्षा निर्माण जैसे क्षेत्रों को भी सेवाएं देता है और इस तरह भारत के व्यापक मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में योगदान कर रहा है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के टूलिंग व्यवसाय के बिजनेस हेड श्री पंकज अभ्यंकर ने कहा, भारत का ऑटोमोटिव उद्योग स्थानीयकरण, बदलती मोबिलिटी तकनीकों और अधिक तेजी से उत्पादन करने की जरूरत के कारण तेजी से विकसित हो रहा है। जैसे-जैसे वाहनों के डिजाइन और तकनीक अधिक उन्नत हो रहे हैं, वैसे-वैसे सटीकता, उत्पादकता, गुणवत्ता और उत्पाद विकास चक्र को तेज करने में टूलिंग की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। हमारा ध्यान उन्नत इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को विकसित करने पर है, जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने में मदद करें और साथ ही भारत की मैन्युफैक्चरिंग संबंधी महत्वाकांक्षाओं को भी समर्थन दें। उद्योग की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह बिजनेस डिजिटल सिमुलेशन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, IoT-सक्षम मॉनिटरिंग सिस्टम और बड़े टन भार वाली डाई क्षमताओं जैसी उन्नत तकनीकों के इस्तेमाल को बढ़ा रहा है। कंपनी प्रदर्शन, उत्पादकता और गुणवत्ता की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैक्यूम-असिस्टेड सिस्टम, थर्मो-रेगुलेशन टेक्नोलॉजी, स्क्विज कास्टिंग और कंफॉर्मल कूलिंग सॉल्यूशंस जैसी विशेष विनिर्माण तकनीकों का भी लाभ उठा रही है। ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और रक्षा उत्पादन में निवेश के चलते आने वाले वर्षों में भारतीय टूलिंग उद्योग में निरंतर वृद्धि की उम्मीद है। चूंकि निमार्ता सप्लाई चेन का स्वदेशीकरण कर रहे हैं और अगली पीढ़ी के उत्पादों को पेश कर रहे हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सपनों को संकल्प में बदलें युवा, विकसित भारत के बनें सहभागी: राज्यपाल

किताबों के ज्ञान के साथ तकनीक दक्षता भी जरूरी: गौरव गौतम

जनसंचार विभाग के शुभम गुप्ता को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30 वां दीक्षांत समारोह सोमवार को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी हाल में मनाया गया। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति, श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर 83 मेधावियों (31 छात्र एवं 52 छात्राएं) को 84 स्वर्ण पदक प्रदान की। 339 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं एक को डीएससी की उपाधि दी। 39 छात्राओं को एचपीबी वैक्सीनेशन हुआ।

कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ज्ञान, साधना और परिश्रम की इस पावन धरती पर आकर स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण की प्रयोगशालाएं हैं। विद्यार्थियों को अपने भविष्य के साथ-साथ भारत के भविष्य को भी दिशा देने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के परिणाम यह संकेत दे रहे हैं कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने में छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि शोध के क्षेत्र में अभी भी छात्र आगे हैं। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे अधिक परिश्रम करें और छात्राओं से प्रेरणा लें। बेटियां अपने भविष्य के प्रति अधिक सजग हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने बेटियों की शिक्षा की सराहना करते हुए कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने परिवार, समाज, विश्वविद्यालय और देश का गौरव हैं।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अनेक राज्य एवं निजी विश्वविद्यालय महापुरुषों के नाम पर स्थापित हैं। ऐसे सभी विश्वविद्यालयों में उन महापुरुषों के जीवन, विचारों और योगदान पर आधारित भाषण, चित्रकला, निबंध एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी उनसे परिचित हो सके। इससे विश्वविद्यालयों की विलुप्त होती गौरवशाली परंपराओं और स्मृतियों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल रोजगार खोजने की मानसिकता तक सीमित न रहें, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का लक्ष्य रखें। आज भारत का युवा स्टार्टअप, नवाचार और तकनीक के माध्यम से दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवा अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा, सेमीकंडक्टर, कृषि एवं आधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के युवाओं ने कम उम्र में रॉकेट निर्माण जैसे नवाचार किए हैं, वहीं ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी भारतीय युवाओं की प्रतिभा विश्व स्तर पर पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है और यही युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगी। विद्यार्थियों को अपने सपनों को संकल्प में बदलना होगा तथा समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण भी उतना ही आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए नशा-मुक्त भारत, स्वस्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में बालिकाओं का सफल टीकाकरण किया गया है। विश्वविद्यालय में भी सैकड़ों छात्राओं का टीकाकरण कराया गया, जो महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन, मुख्य विकास अधिकारी, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग तथा विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही ऐसे अभियान सफल होते हैं और स्वस्थ एवं विकसित समाज का निर्माण संभव है।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम (एडीजी, उ.प्र. एनसीसी) ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्रों का हृदय से अभिवादन करते हुए कहा कि आज का पराक्रमी युवा राष्ट्र की पहली पंक्ति है। उन्होंने कहा कि सिर्फ किताबों का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं; तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक कौशल और आत्मनुशासन आज की मांग हैं। मेजर जनरल ने एससीसी के अनुभवों से उदाहरण देते हुए अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर दिया तथा कहा कि ये गुण किसी भी करियर को ऊँचाइयाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआई, डेटा साइंस और उद्यमशीलता जैसे भविष्योन्मुख क्षेत्र में खुद को प्रशिक्षित करें और रोजगारोन्मुखी कौशल सीखें ताकि वे प्रतिस्पर्धी बाजार में सफल हो सकें। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को समान महत्व देते हुए उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित जीवनशैली और मानसिक सुदृढ़ता पर बल दिया। साथ ही सामाजिक दायित्वों स्वच्छता, स्त्री सम्मान और सामुदायिक सेवा का निर्वाह करने की बात कही। वित्तीय विवेक के संदर्भ में मेजर जनरल ने बचत और दीर्घकालिक योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने प्रतिभाओं को नैतिकता और ईमानदारी के साथ काम करने का संदेश दिया और स्नातकों से अनुरोध किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल को समाज और राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित करें।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। आज प्राप्त होने वाला पदक और उपाधि केवल विद्यार्थियों की उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके माता-पिता, गुरुजनों और विश्वविद्यालय परिवार के वर्षों के परिश्रम एवं समर्पण का सम्मान है। उन्होंने सभी पदक एवं उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से उनके जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास के बल पर वे न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि समाज को भी शिक्षित, जागरूक और सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा को लगातार बढ़ावा दे रही है। वर्तमान समय में तकनीकी दक्षता और नवाचार की समझ युवाओं की सफलता की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास का भी केंद्र होता है। शिक्षा राज्यमंत्री ने बेटियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बेटियां विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, शिक्षा, अनुसंधान और सेवा सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ चुनौतियां अवश्य आएंगी, लेकिन दृढ़ संकल्प, परिश्रम और सकारात्मक सोच से हर कठिनाई का समाधान निकाला जा सकता है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम, अतिथि गणों तथा विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिवादन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षिक और शोध की प्रगति का उल्लेख करते हुए एशिया एवं भारत रैंकिंग, एच-इन्डेक्स और प्रकाशन के आंकड़े बताए। कहा कि ₹शोध प्रोत्साहन एवं उत्कृष्टता नीतिझ2025₹, 205 शोध-पत्र, 10 ग्रांटेड पेटेंट और डीएसटी- पर्स तथा पीएम-ऊषा अनुदान जैसी उपलब्धियों से विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। विश्वविद्यालय में आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस आधारित पहलों, नए पाठ्यक्रम (एआई/ एमएल, डेटा साइंस, बीएस-सी बायोटेक आदि), एग्रो-ए डब्ल्यू एस स्थापना तथा एआई वर्कशॉप का जिक्र किया गया। सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्यक्रमों झ पौधरोपण, एसएसएस गतिविधियाँ, स्मार्ट क्लासरूम, लॉ लाइब्रेरी स्थापना, एनसीसी यूनिट और प्लेसमेंट वृद्धि को भी रेखांकित किया गया। प्रशासनिक सुधारों (जीरो डिपेंडेंसी), वित्तीय सुदृढ़ता और आईएसओ प्रमाणन से संस्थागत क्षमता बढ़ने का उल्लेख किया गया। कुलपति ने स्नातकों को ज्ञान, नीतिशीलता और सामाजिक दायित्व के साथ देश-और समाज की सेवा करने के लिए शुभकामना दी।

समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कुलाधिपति को अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न और जौनपुर में निर्मित चमेली का इत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि और शिक्षा राज्यमंत्री का भी इसी क्रम में सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर कार्य परिषद के सदस्य, विद्या परिषद के सदस्यों के साथ कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. वीके पांडेय, प्रो. मानस पांडेय, प्रो अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डा. विजय सिंह, डॉ. राहुल सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथलेश सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. रसिकेश, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, कर्मचारी संघ के महामंत्री राधेश्याम सिंह मुन्ना, नंदकिशोर सिंह, रमेश यादव, सुशील प्रजापति समेत विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

83 मेधावियों को 84 स्वर्ण पदक

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने 83 छात्र-छात्राओं को उनके प्रथम-स्पर्धा प्रावीण्य के लिए कुल 84 स्वर्ण पदक (31 छात्र एवं 52 छात्राएं) प्रदान किए। विज्ञान संकाय में डॉ.मुकेश कुमार झोपे को डी. एससी की उपाधि प्रदान की गई। स्नातक और परास्नातक स्तरों पर यह सांस्कृतिक और अकादमिक उत्कृष्टता का उत्सव रहा।

339 शोधार्थियों को पीएच.डी., एक को डीएससी उपाधि

दीक्षांत समारोह में कुल 339 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। कला संकाय में सर्वाधिक 221, इसके बाद शिक्षा 35, विज्ञान 40, कृषि 14 तथा अन्य संकायों में कुल मिलाकर 339 उपाधि दी गई। इसमें पुरुष और महिलाओं का सम्यक योगदान दिखा, जो विश्वविद्यालय की शोध-शक्ति का दर्पण है।

डीजी लॉकर में डिग्रियाँ हुई अपलोड

डिजिटल क्रान्ति का जीवंत उदाहरण देते हुए राज्यपाल ने आईपैड पर बटन दबाकर 2025-26 की स्नातक एवं स्नातकोत्तर की 77463 डिग्रियों को डिजीलॉकर में अपलोड कराया। उपकुलसचिव अजीत सिंह ने प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया। इससे विद्या के प्रमाण डिजिटल, त्वरित और सुरक्षित हुए।

शुभम गुप्ता को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

जनसंचार विभाग में एम.ए. जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में एमए में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शुभम गुप्ता को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसी के साथ शुभम गुप्ता को दो स्वर्ण पदक मिले।

इंडोर स्टेडियम का अभिवृद्धि और आनंदी वाटिका का उद्घाटन

इंडोर स्टेडियम के स्वरूप में किए गए उत्कर्ष ने विश्वविद्यालय के खेल और उत्सवों को नई ऊचाइयों में पहुँचाया है, जहाँ उत्साह और अनुशासन का संगम सजीव होगा। महिला छात्रावास में निर्मित ₹आनंदी वाटिका₹ एक सूक्ष्म स्वर्ग की तरह खिल उठा है, जहां शान्ति, सौंदर्य और स्नेहमयी साथ मिलकर छात्राओं के सशक्त अनुभव को पोषित करेंगे। दोनों उद्घाटन न केवल भौतिक संरचना का संवर्धन हैं, बल्कि विश्वविद्यालय के समृद्धि और समावेशन की प्रतिबद्धता के प्रतीक भी हैं।

छः पुस्तकों का विमोचन

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों पर केंद्रित छः पुस्तकों का विमोचन किया गया। इनमें मुराद अली की 'टीम बिल्डिंग एंड लीडरशिप' तथा 'फाइनेंसिंग न्यू बिजनेस वेंचर', प्रो. गिरिधर मिश्र की 'टीनों और ऊर्जा की अद्भुत दुनिया', डॉ. आलोक गुप्ता की 'फाउंडेशन ऑफ फाइनेंशियल मॉडलिंग एंड मॉडर्न अकाउंटिंग स्ट्रेटजी', डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' तथा डॉ. प्रियंका कुमारी सिंह की 'संघर्ष से अस्तित्व तकः एक स्त्री की यात्रा' एवं 'भारतीय समाज में विधवा महिलाओं की परिस्थिति' पुस्तकों का विमोचन किया गया।

चार शिक्षकों को दिया उत्कृष्ट पुरस्कार

ज्ञान, समर्पण और सतत शैक्षणिक साधना को सम्मानित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मानित होने वालों में टी.डी. कॉलेज, जौनपुर के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह, टीडी कालेज के डॉ. विशाल सिंह, राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जमुहाई के डॉ. प्रशांत सिंह तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) शोध संस्थान के डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी सहित कुल चार शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने बच्चों को उपहार स्वरूप शिक्षा-सामग्री वितरित की

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत के पावन अवसर पर प्राइमरी के नन्हे-मनोरथों को स्कूल बैग, फल, ड्राई फ्रूट जामेट्री बॉक्स तथा महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें भेंट कीं। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कुकड़ीपुर, देवकली, सुल्तानपुर और जासोपुर,जफरपुर गांवों में आयोजित खेलों के प्रथम तीन विजेताओं को भी राज्यपाल के हाथों विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके बाद 15 स्कूली बच्चे देशभक्ति और लोकगीत 3 बच्चे पर्यावरण और जलबचाव पर गीत सुनाकर लोगों को भावुक कर दिया। जिससे बच्चों के सपनों को उज्जवल प्रोत्साहन मिला।

गतिमान पत्रिका का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में वार्षिक पत्रिका ₹गतिमान₹ का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पत्रिका का अनावरण किया। पत्रिका में वर्ष भर की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ, स्वर्ण पदक विजेताओं के गौरवमय क्षण और प्रतिष्ठित अतिथियों के प्रेरक विचार शामिल हैं। हर पृष्ठ पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ, शोध कार्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शैक्षिक गतिविधियाँ स्पष्ट और रोचक तरीके से प्रस्तुत की गई हैं। विमोचन समारोह में कुलपति, दीक्षांत के मुख्य अतिथि के साथ साथ प्रधान संपादक डॉ. मनोज मिश्र, संपादक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर और संपादन मंडल के डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ.चंदन सिंह और डॉ. शशिकांत डॉ.लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, पंकज सिंह भी उपस्थित रहे। ₹गतिमान₹ पत्रिका न केवल घटनाओं का संकलन है, बल्कि यह विश्वविद्यालय की प्रगति और सामूहिक प्रयासों का जीवंत दस्तावेज है जो पाठकों को प्रेरित करता है।

आंगनबाड़ी केंद्रों को राज्यपाल ने किट सौंपे

500 आंगनबाड़ी किट का वितरण किया गया। इसमें 100 किट वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, 200 आंगनबाड़ी किट जिला प्रशासन जौनपुर और 200 किट जिला प्रशासन गाजीपुर की ओर से दिया गया। गोद ली गई ग्रामीण आंगनबाड़ियों तथा अन्य के लिए 67 वस्तुओं के किट (ट्राइसाइकिल, झूला, स्टोरी बुक, व्हाइट बोर्ड, कुर्सी, किडनी सेप टेबल, हार्स राइडिंग आदि) का वितरण कर राज्यपाल ने बाल विकास एवं सामुदायिक सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण ताकत दी। इस दौरान डीएम, सीडीओ जौनपुर और गाजीपुर के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सीएसआर प्रतिनिधि आनन्द कुमार, उप महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक वाराणसी मंडल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलाधिपति ने डीएम, सीडीओ जौनपुर और गाजीपुर को एचपीवी टीकाकरण प्रमाण पत्र तथा चुनौतियां मुझे पसंद है पुस्तक भेंट की गई। यह पुस्तक माननीय कुलाधिपति जी के जीवनवृत्त को समेटे हुए अनुपम कृति है।

दीक्षोत्सव कार्यक्रम की लघु फिल्म का प्रसारण

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में सम्पन्न दीक्षोत्सव के रंगीन और गरिमापूर्ण क्षणों पर आधारित यह लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इस मार्मिक एवं सूक्ष्म दृष्यावली का निर्देशनात्मक परिचय डॉ. चंदन सिंह द्वारा दिया गया, जिनके शब्दों ने कार्यक्रम की गरिमा और विश्वविद्यालय की आत्मा को सहजता से उद्घाटित किया। फिल्म ने न केवल दीक्षान्त समारोह के औपचारिक अनुष्ठानों को पटकथा का रूप दिया, बल्कि उन छोटे-छोटे पलों को भी संजोया जिनमें विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी मिलकर शिक्षा के पर्व को एक सांस्कृतिक उत्सव में परिवर्तित करते हैं।

जौहर विश्वविद्यालय पर प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का प्रदर्शन

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की जौनपुर इकाई ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों पर प्रस्तावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए सोमवार को राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। संगठन का कहना है कि विश्वविद्यालय हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा है, इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले सभी कानूनी और संवैधानिक पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

जिला महासचिव आरिफ हबीब एवं प्रदेश सचिव डॉ. गयासुद्दीन प्रधान के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि यदि भूमि या निर्माण से संबंधित कोई विवाद है तो उसका समाधान न्यायिक प्रक्रिया के तहत किया जाए। बिना समुचित जांच के ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी और समाज में असुरक्षा का माहौल पैदा हो सकता है।

ज्ञापन में यह भी दावा किया गया कि विश्वविद्यालय के निर्माण के समय संबंधित क्षेत्र ग्राम पंचायत के अधीन था और तत्कालीन नियमों के अनुसार निर्माण अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। बाद में क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल किया गया। इसलिए सभी तथ्यों और विधिक पहलुओं की समीक्षा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाना चाहिए।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा ने राज्यपाल से छात्रहित और जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने तथा निष्पक्ष जांच के बाद ही अंतिम निर्णय लेने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनवारूल हक गुड्डू, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, राष्ट्रीय सचिव मौलाना अनवार कासमी, प्रदेश सचिव डॉ. शबनम नाज, कमाल आजमी, मोहम्मद अरशद कुरैशी, अलमास सिद्दीकी, मोहम्मद फैजी, शहनवाज अहमद, मोहम्मद साबिर उर्फ राजा नवाब, मोहम्मद आसिफ, सरताज बानो सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली कनेक्शन के नाम पर कथित 2,500 की वसूली का वीडियो वायरल, जांच की उठी मांग

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। ओबरा क्षेत्र में बिजली कनेक्शन दिलाने के नाम पर कथित रूप से रु.2,500 की मांग किए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति की पहचान सोनू कुमार सिंह (TG-2) के रूप में बताए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वायरल वीडियो और उसमें किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है।

वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चचाओं का दौर तेज हो गया है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

लोगों का कहना है कि यदि वायरल वीडियो में लगाए गए आरोप सत्य सिद्ध होते हैं, तो यह उत्तर प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के विपरीत होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री से भी जांच कराकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

फिलहाल संबंधित विभाग की ओर से वायरल वीडियो को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले की वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने और विभागीय पुष्टि के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

वीर सैनिकों के अदम्य साहस का परिणाम है कारगिल विजय दिवस: दिनेश यादव

भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति ने जौनपुर में मनाया विजय दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाता है। इसी कड़ी में जनपद में भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश यादव फौजी की अगुवाई में पूर्व सैनिकों, वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं ने मिलकर कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्तम्भ से कैंडल मार्च करते हुये भारत माता की जय के नारे लगाते हुये भूतपूर्व सैनिक कल्याण कार्यालय के पास स्थित शहीद स्तम्भ पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित किये।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश यादव फौजी ने कहा कि कारगिल की लड़ाई में हमारे वीर सैनिकों ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुये घुसपैठियों को खदेड़ा और टाइगर हिल जैसे चोटियों पर तिरंगा फहराया। इस लड़ाई में तमाम सैनिक शहीद हो गये। हम उनको सच्चे दिल से श्रद्धांजलि देते हैं। एक सैनिक जब से परेड करके कसम लेता है, उसके बाद जीवन भर देश के लिये हमेशा खड़ा रहता है। वह सेवानिवृत हो जाता है, फिर भी देश के लिये हमेशा अगली पंक्ति में खड़ा रहता है।

उक्त असर पर पूर्व सैनिक कमलेश यादव फौजी, अनिल यादव फौजी, ओम प्रकाश फौजी, त्रिभुवन यादव फौजी, सुभाष फौजी, ध्यान चन्द दुबे, उमाशंकर फौजी, विजय बहादुर फौजी, शेषमणि फौजी, जय प्रकाश फौजी, मोहम्मद अली फौजी, सूरज फौजी, राधे दुबे फौजी, रमाकान्त मिश्रा फौजी, रामसूरत फौजी, भुवनेश्वर मौर्य फौजी, व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवा, अनवारूल हक, संजीव साहू, कृष्ण कुमार यादव सभासद, जैन यादव प्रधान धरमपुर, नीरज यादव प्रधान, रंग बहादुर यादव, राकेश यादव प्रतिनिधि विधायक जफराबाद, बृजेश यादव जनता जिला पंचायत सदस्य, युवा समाजसेवी लालू यादव, अमित यादव, अम्बुज यादव, अजीत यादव, विक्की, गुड्डू यादव, राज बहादुर पहलवान, नीरज यादव एडवोकेट, आजाद यादव एडवोकेट, अरुण यादव एडवोकेट, पंकज यादव, डा. शुभांशू यादव, अभिषेक यादव, सुनील दुबे, मोहित यादव सहित तमाम भूतपूर्व सैनिकों के अलावा सैकड़ो युवा मौजूद रहे।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन 28 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से सर्किट हाउस सभागार में होगा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, लखनऊ की अध्यक्ष (राज्यमन्त्री स्तर प्राप्त) डॉ. बबीता सिंह चौहान अध्यक्षता में घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना,जमीनी विवाद और महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन 28 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से सर्किट हाउस सभागार में किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज मिश्र ने जनपद की समस्त महिलाओं से अपील किया है कि उक्त जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं प्रस्तुत करें।

खेत में ले जाकर मारपीट कर जबरन स्टाम्प पेपर पर लगवाया अंगूठा, जहर पिलाने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के मुरारा गांव में एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जबरन स्टाम्प पेपर पर अंगूठा लगवाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसे खेत में ले जाकर पहले बेरहमी से पीटा गया, फिर जबरन स्टाम्प पेपर पर अंगूठा लगवाया गया और बाद में उसे जहर पिला दिया गया। घटना के बाद पीड़ित ने किसी तरह डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पीड़ित ने पूरे मामले में अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जहर पिलाने और जबरन स्टाम्प पेपर पर अंगूठा लगवाने के आरोपों की भी जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति का चुनाव सपन्न

प्रदेश अध्यक्ष ओपी सोनी व कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाए गए राजकुमार सोनी

गंजबासौदा, भोपाल। मध्यप्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के प्रदेश स्तरीय चुनाव रविवार को भोपाल में संपन्न हुए। चुनाव में सर्वसम्मति से ओपी सोनी को पुनः समिति का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया, जबकि राजकुमार सोनी (गंजबासौदा) को कार्यकारिणी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त कार्यकारिणी अध्यक्ष राजकुमार सोनी का भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्वर्णकार समाज के सदस्य उपस्थित रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज के संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, युवाओं को समाज से जोड़ने तथा शिक्षा, सामाजिक उत्थान और समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया। समाज के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने ओपी सोनी और राजकुमार सोनी को नई जिम्मेदारियों के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

ठाणे में भजन एवं बाटी-चोखा कार्यक्रम संपन्न

ठाणे। गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति द्वारा आयोजित हर भोले आश्रम ओला ठाणे वेस्ट में रविवार को बाटी चोखा मिलन समारोह का कार्यक्रम समिति अध्यक्ष विजय मिश्रा,रवि सिंह,लोक गायक सोनू सिंह सुरीला,कृष्ण कुमार शुक्ला के संयोजन में यह पारंपरिक कार्यक्रम बड़े ही धूम धाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया,उद्योगपति पंकज मिश्रा,वरिष्ठ समाजसेवी उद्योगपति नानजी भाई ठक्कर,वरिष्ठ समाजसेवी मंगला शुक्ला, उद्योगपति अरुण मिश्रा, सुधीर सिंह,श्रीकांत दुबे,धनंजय सिंह,पंचम सिंह,प्रदीप सिंह,विशाल तायरे,शैलेश उपाध्याय, वी के तिवारी,वेदप्रकाश मिश्रा, रुपेश सिंह, एड जे पी सिंह, कमलेश मिश्रा,अवधेश तिवारी, रामतीर्थ शर्मा सहित सभी अतिथियों का का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया गया। पारंपरिक व्यंजन बाटी-चोखा कार्यक्रम का सभी उपस्थित लोगों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आनंद लिया। धार्मिक आयोजन के माध्यम से समाज में एकता, भाईचारे और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त बनाने का संदेश भी दिया गया।

आषाढ़ी एकादशी पर सारथी फाउंडेशन ने किया तुलसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई। आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर सारथी फाउंडेशन द्वारा राम मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ तुलसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर तुलसी के पौधे ग्रहण किए तथा पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर सारथी फाउंडेशन के संस्थापक जनक संघवी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, कार्यकताओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, स्नेह और विश्वास के कारण यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि तुलसी माता का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि लेकर आए। साथ ही भविष्य में भी समाजहित एवं जनसेवा के ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हिमालया बेबीकेयर ने जेंटल बेबी शैम्पू के लिए नया डिजिटल कैंपेन लॉन्च किया

पटना। हिमालया बेबीकेयर ने अपने जेंटल बेबी शैम्पू के लिए हैप्पी टिअर्स फॉर मॉम, नो टिअर्स फॉर बेबी संदेश के साथ नया डिजिटल कैंपेन लॉन्च किया है। यह कैंपेन एक मां के उस वादे को दर्शाता है, जिसमें वह अपने शिशु के नहाने के समय को खुशहाल और आंसू रहित बनाने का भरोसा देती है। कैंपेन का मुख्य आकर्षण हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू का नो टीयर्स फॉर्मूला है, जिसे शिशु की आंखों में जलन से बचाने और नहाने के अनुभव को आरामदायक बनाने के लिए तैयार किया गया है। चावल, गुड़हल, चना और खस के गुणों से युक्त यह शैम्पू शिशु की नाजुक स्कैल्प को पोषण देने के साथ बालों को मुलायम और प्राकृतिक रूप से चमकदार बनाए रखने में मदद करता है। इसका 5.5 स्त्रल बैलेंस इसे जन्म के पहले दिन से ही रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त बनाता है। हिमालया वेलनेस कंपनी के डायरेक्टर बेबीकेयर, चक्रवर्ती एन. वी. ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य नहाने के समय को माता-पिता और शिशु दोनों के लिए आरामदायक और सुखद अनुभव बनाना है। क्लिनिकली टेस्टेड और डर्मेटोलॉजिकली इवैल्यूएटेड यह शैम्पू पैराबेन्स, फ्थैलेट्स और सिंथेटिक कलर जैसे हानिकारक रसायनों से मुक्त है। इस डिजिटल फि ल्म को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी और बांग्ला सहित कई भाषाओं में जारी किया गया है।

जौनपुर: प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, एक लाख श्री हनुमान चालीसा केंद्र व 50 हजार समितियों के गठन का लक्ष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक उत्साह और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ भगवान श्रीराम एवं माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआरपी कॉलेज के प्रबंधक दिलीप श्रीवास्तव एडवोकेट तथा विशिष्ट अतिथि उदयराज सिंह रहे। बैठक में संगठन विस्तार, सेवा कार्यों और जनसंपर्क अभियान को लेकर व्यापक चर्चा की गई। प्रान्तीय पदाधिकारी डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी जिलों से शीघ्र जिला समितियों का गठन पूर्ण करने का आह्वान किया।

महामंत्री तरुण शुक्ल ने प्रत्येक पदाधिकारी से श्री हनुमान चालीसा पाठ केंद्र संचालित करने की अपील की, जबकि संगठन महामंत्री संजय दुबे ने अधिक से अधिक हिन्दू परिवारों तक संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। प्रान्त मंत्री कात्यायनी शुक्ल ने हिन्दू हेल्पलाइन एवं इंडिया हेल्थ लाइन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर एक लाख श्री हनुमान चालीसा केंद्र और 50 हजार समितियों के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया। वक्ताओं ने संगठन की विचारधारा, सेवा, संस्कार, राष्ट्र निर्माण और समाज जागरण में कार्यकताओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी से समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

औरैया में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती धूमधाम से मनाई गई

लहरापुर, औरैया (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ युवा कमेटी के तत्वावधान में जनपद औरैया के ताज गेस्ट हाउस, खानपुर कस्बा में भगवान श्री महाराजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों, युवाओं एवं मातृशक्ति ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर भगवान श्री महाराजा दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा केक काटकर जन्मोत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री महाराजा दक्ष प्रजापति जी के जयघोष एवं भारत माता के उद्घोष के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान श्री महाराजा दक्ष प्रजापति जी के जीवन, उनके आदर्शों एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके

बताए मार्ग पर चलकर समाज शिक्षा, संगठन और सेवा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। मुख्य अतिथि सुनील प्रजापति तथा विशिष्ट अतिथि विजय प्रजापति युवा जिला अध्यक्ष डॉ. अर्जुन प्रजापति (विधूना) ने अपने संबोधन में समाज के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने, रोजगार एवं स्वरोजगार की ओर अग्रसर होने तथा समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब हम संगठित रहकर अपने महापुरुषों के आदर्शों का अनुसरण करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जो समाज अपने इतिहास और महापुरुषों का सम्मान करता है, वही भविष्य में नया इतिहास रचता है। सभी ने एक स्वर में शिक्षा का प्रसार, सामाजिक एकता, नशामुक्त समाज का निर्माण, बेटा-बेटी में समानता तथा समाज के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर विजय प्रजापति (लहरापुर), पुष्पेंद्र प्रजापति (सहार), संदीप कुमार (पूर्वा फकीरे), सूरज प्रजापति (ककराही), नाथूराम कुमार (लाडपुर), विकास प्रजापति (उडेलापुर), अजय कुमार (औरैया), श्री पथ वर्मा, रवि प्रजापति (वमीपुर), मुकेश प्रजापति एवं सुनील (औरैया) सहित अनेकों समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक युवा जिला प्रभारी डॉ. अंकित प्रजापति (औरैया) ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकता, शिक्षा और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी युवा राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सचिव, कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग उत्तर प्रदेश तथा डायरेक्टर, ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन का भी विशेष योगदान रहा। समारोह का समापन भगवान श्री महाराजा दक्ष प्रजापति जी की जय, प्रजापति समाज की जय, भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों के साथ हुआ।

महाराजा दक्ष प्रजापति सबके आराध्य हैं : ओम प्रकाश राजभर

चंदौली(उत्तरशक्ति)। महाराजा भगवान दक्ष प्रजापति की जयंती के अवसर पर चंदौली के पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में भागीदारी पार्टी द्वारा जन अधिकार संकल्प महारैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि महाराजा भगवान दक्ष प्रजापति ब्रह्माजी के सातवें मानस पुत्र तथा सृष्टि के प्रथम राजा थे और वे सभी समाजों के आराध्य हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ उनके गौरवशाली इतिहास को भुलाने का प्रयास किया गया, लेकिन अब समाज अपने महापुरुषों के इतिहास और सम्मान को पुनः स्थापित करने के लिए संगठित हो रहा है।

राजभर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी पार्टी समाज को उसके इतिहास, स्वाभिमान और अधिकारों से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर रहे हैं और प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर मजबूती से चुनावी तैयारी चल रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने कहा कि समाज को अपने महापुरुषों के इतिहास से जोड़ना पार्टी का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में पार्टी सरकार का हिस्सा बनी तो लखनऊ में महाराजा दक्ष प्रजापति की 21 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने समाज से संगठित होकर अपने अधिकारों और सम्मान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. महेश चंद्रा प्रजापति ने भी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जन अधिकार संकल्प महारैली अति पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों को जोड़कर उन्हें राजनीतिक भागीदारी दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। महारैली में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह प्रजापति, राष्ट्रीय महासचिव कीर्ति प्रकाश द्विवेदी, प्रदेश सलाहकार चेखुर प्रसाद प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार प्रजापति, पूर्वांचल अध्यक्ष सुनील प्रजापति, जिला अध्यक्ष शशिकांत प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

स्नेहा दुबे पंडित ने वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट माइनॉरिटी फ्रंट के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

वसई। विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, वसई वेस्ट में आयोजित कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट माइनॉरिटी फ्रंट के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर अमरजीत (छोटू) सिंह आनंद एवं थॉमस जेरोम डाबरे को डिस्ट्रिक्ट वाइस प्रेसिडेंट, अब्दुल मोबिन को डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी, रिचर्ड रोसारियो एवं नूर खान को डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी तथा वेलंकानी जहीन पटेल को डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर का दायित्व

सौंपा गया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में भाजपा वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, माइनॉरिटी फ्रंट के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मैथ्यू कोलासो, भाजपा वसई ईस्ट-साउथ मंडल के अध्यक्ष उदय शेट्टी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वी.पी.एम्स में भक्ति, संस्कार और मातृभाषाओं का अद्भुत संगम

मुंबई। आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर वी.पी.एम्स बी.आर. टोल इंग्लिश हाई स्कूल, मुलुंड (पूर्व) में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भारतीय भाषा उत्सव ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। विठ्ठल नाम के जयघोष, संतों के अभंग, पारंपरिक नृत्य और भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का शुभारंभ श्री विठ्ठल माऊली की भव्य पालकी के आगमन और विद्यालय की प्रधानाचार्या अजीता नायर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सामूहिक प्रार्थना के बाद विद्यार्थियों ने संत परंपरा पर आधारित मराठी अभंगों का सुमधुर गायन तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वारकरी परंपरा की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान भक्त पुंडलिक एवं भगवान विठ्ठल के

जीवन पर आधारित लघु नाटिका, भारुड, संत तुकाराम महाराज के संदेशों पर प्रेरक प्रस्तुति, पथनाट्य तथा भगवान विठ्ठल को समर्पित भावपूर्ण पत्र वाचन ने सभी को भावविभोर कर दिया। पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने पारिवारिक मूल्यों, पीढ़ियों के बीच संवाद, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा मातृभाषाओं के महत्व का प्रभावशाली संदेश दिया।

वारकरी संप्रदाय के अभंगों और श्री विठ्ठल के जयघोष से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को जीवंत बना दिया। आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या अजीता नायर ने विद्यार्थियों को संतों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत के सम्मान तथा नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और मातृभाषाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

अजीता नायर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव तथा भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। शिक्षा के साथ संस्कारों के समन्वय का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायी और अविस्मरणीय बन गया।

कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड ने लॉन्च किया 'कंट्री क्लब मास्टरकार्ड- तुर्की'

मुंबई। कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड ने आज 'कंट्री क्लब मास्टरकार्ड इन तुर्की ' के भव्य लॉन्च की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी के ग्लोबल हॉलिडे एक्सपीरियंस के बढ़ते पोर्टफोलियो में एक और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय गंतव्य जुड़ गया है। 'कंट्री क्लब मास्टरकार्ड इन थाईलैंड' की जबरदस्त सफलता के बाद, कंपनी अब तुर्की की सदाबहार सुंदरता, समृद्ध विरासत और शानदार मेहमाननवाजी को अपने सदस्यों के और करीब ला रही है। यह लॉन्च कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राजीव रेड्डी की हालिया तुर्की यात्रा के बाद हुआ है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने देश के तेजी से बढ़ते टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को देखा और साथ ही जाने-माने राजनयिकों, टूरिज्म लीडर्स, हॉस्पिटैलिटी पार्टनर्स और प्रमुख बिजनेस हस्तियों से मुलाकात की। यह यात्रा भारत और तुर्की के बीच टूरिज्म और बिजनेस संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम थी। अपनी यात्रा के दौरान कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, राजीव रेड्डी ने तुर्कि की खूबसूरती और संस्कृति को करीब से महसूस किया। उन्होंने कैप्पाडोसिया की मनमोहक सुबह देखी, जहाँ आसमान में उड़ते सैकड़ों रंग-बिरंगे हॉट एयर बैलून एक अद्भुत नजारा पेश करते हैं। इसके बाद उन्होंने इस्तांबुल की सैर की, जो अपनी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है, क्योंकि यहाँ पूर्व और पश्चिम की संस्कृतियों का खूबसूरत संगम देखने को मिलता है। उन्होंने ग्रैंड बाजार और स्पाइस बाजार भी देखा, जहाँ तुर्किये की पारंपरिक कला और संस्कृति की झलक मिलती है। यहाँ हाथों से बनी सुंदर इजनिक सिरेमिक कलाकृतियाँ, खुशबूदार मसाले, मशहूर तुर्किश डिलाइट और कई पारंपरिक वस्तुएँ लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इसके अलावा, उन्होंने ब्लू मॉस्क, हागिया सोफिया, डोलमाबाहचे पैलेस और खूबसूरत बोस्फोरस जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भी दौरा किया। इन सभी जगहों ने यह साबित किया कि तुर्कि आज भी दुनिया के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है।

प्रजापति समाज विकास मंडल द्वारा महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जयंती मनाई गई

पनवेल/उरण (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.), राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ) द्वारा प्रजापति समाज के आराध्य देव, सृष्टि के महान शिल्पकार एवं ब्रह्मा जी के मानस पुत्र महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी की जयंती/जन्मोत्सव पनवेल एवं उरण में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों एवं मान्यवरों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात समाज बंधुओं ने श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित कर दर्शन किए तथा महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी की जयऱ के गगनभेदी उद्घोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण हो उठा। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने संबोधन में महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी के आदर्शों, त्याग, समाज सेवा एवं लोक कल्याणकारी विचारों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे प्रजापति समाज के आराध्य देव एवं प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा, संगठन, सेवा, सामाजिक उत्थान एवं मानव कल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहिए। समारोह के दौरान समाजसेवियों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

जयंती समारोह के उपलक्ष्य में उरण में विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री, नोटबुक एवं अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने लाभ उठाया। समाज के लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के प्रसार एवं सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। समारोह में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर संगठन की एकता, सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का परिचय दिया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव गजेंद्र प्रजापति, रायगढ़ जिला अध्यक्ष सूर्यनाथ परदेसी, रायगढ़ जिला महासचिव इंद्र प्रजापति, उरण तहसील अध्यक्ष काशीनाथ परदेसी, उरण शहर अध्यक्ष वशिष्ठ परदेसी, पनवेल शहर अध्यक्ष राजेंद्र प्रजापति, राकेश कुमार प्रजापति, कुलदीप प्रजापति, संजय प्रजापति, प्रियांश प्रजापति, हुकुम लाल प्रजापति, कोलेश्वर प्रजापति, रोहित प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, प्राणनाथ प्रजापति, दीपक प्रजापति, सुभाष प्रजापति, राकेश प्रजापति सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने में संस्था के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समाज बंधुओं का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सभी उपस्थित जनों ने महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी के आदर्शों पर चलकर समाज को संगठित, शिक्षित एवं सशक्त बनाने तथा सेवा एवं सामाजिक उत्थान के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया।

सेल्सफोर्स और विवेकानंद हॉस्पिटल ने डेटा, ऑटोमेशन और एआई के जरिए बेहतर व अधिक कनेक्टेड मरीज अनुभव तैयार किए

मुंबई। सेल्सफोर्स, दुनिया का #1 एजेंटिक AI CRM, ने पश्चिम बंगाल के अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में शामिल विवेकानंद हॉस्पिटल प्रा. लि. (VHPL) के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत डेटा, ऑटोमेशन और एआई की क्षमताओं का उपयोग करते हुए एक कनेक्टेड, अक-संचालित प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जो मरीजों की जुड़वा यात्रा को अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत और सुविधाजनक बनाएगा।

बदलती मरीज अपेक्षाओं के बीच हेल्थकेयर प्रदाताओं के लिए ऐसी तकनीक जरूरी हो गई है जो पूरी केयर जर्नी में हर इंटरैक्शन को सहज रूप से जोड़ सके,पहले कम्युनिटी आउटरीच से लेकर हॉस्पिटल के साथ लंबे समय तक चलने वाले जुड़ाव तक। श्लढछ मरीज और डॉक्टर की जानकारी, फील्ड ऑपरेशंस, आउटरीच और एआई क्षमताओं को एकीकृत कर एक यूनिफाइड डिजिटल फाउंडेशन तैयार कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समयबद्ध, व्यक्तिगत और लगातार बेहतर मरीज अनुभव देने में सक्षम बनाता है।

एजेंटफोर्स 360 प्लेटफॉर्म पर निर्मित और VHPL के हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (HIMS) के साथ एकीकृत यह समाधान, पहले से अलग-अलग मौजूद डेटा और वर्कफ़्लो को एक ही प्लेटफार्म पर जोड़ता है। इसके कार्यान्वयन में पेशन्ट 360, डॉक्टर 360, बीट प्लानिंग और कैंपेन मैनेजमेंट जैसी क्षमताएं शामिल हैं, जो टीमों को मरीजों और डॉक्टरों की व्यापक, रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध कराती हैं। इससे फील्ड टीमें आउटरीच गतिविधियों की बेहतर योजना बना सकती हैं और अधिक प्रभावी तरीके से जुड़ाव बढ़ा

सकती हैं। ऑटोमेटेड वर्कफ़्लो मरीजों की पूछताछ को दर्ज करने, सही टीम तक पहुंचाने, ट्रैक करने और निरंतर जुड़ाव बनाए रखने में मदद करते हैं। वहीं, रियल-टाइम डैशबोर्ड एंगेजमेंट गतिविधियों और कैंपेन के प्रदर्शन की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे टीमों को बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलती है। सेल्सफोर्स के साथ यह सहयोग VHPL के समुदायों के साथ जुड़ने के तरीके को भी आधुनिक बना रहा है। QR-कोड आधारित अभियानों के माध्यम से, आउटरीच गतिविधियों के दौरान प्राप्त होने वाले मरीजों के प्रश्नों को तुरंत इंटरैक्शन के समय दर्ज किया जा सकता है, प्लेटफार्म पर केंद्रीकृत किया जा सकता है और समय पर फॉलो-अप के लिए संबंधित टीमों तक पहुंचाया जा सकता है। जनवरी 2026 में आयोजित VHPL के मेगा हेल्थ कार्निवल के दौरान, इन कनेक्टेड डिजिटल वर्कफ़्लो की मदद से केवल तीन दिनों में 600 से अधिक मरीजों के प्रश्नों को दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि एकीकृत प्लेटफॉर्म बड़े स्तर पर होने वाले सामुदायिक जुड़ाव को कैसे व्यवस्थित, ट्रैक करने योग्य और कार्रवाई योग्य इंटरैक्शन में बदल सकते हैं। अरुंधति भट्टाचार्य, दक्षिण एशिया में सेल्सफोर्स की प्रेसिडेंट और सीईओ, ने कहा, हेल्थकेयर एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां एआई संस्थानों के मरीजों के साथ जुड़ने, केयरगिवर्स को सशक्त बनाने और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम हासिल करने के तरीके में बुनियादी परिवर्तन लाने का अवसर प्रदान करता है। सौमीली दत्ता, निदेशक, विवेकानंद हॉस्पिटल प्रा. लिमिटेड, ने कहा, विवेकानंद हॉस्पिटल में हमारा मानना है कि उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा की शुरूआत हर मरीज को बेहतर तरीके से समझने से होती है-न केवल चिकित्सकीय दृष्टिकोण से, बल्कि उनकी पूरी केयर जर्नी को ध्यान में रखते हुए। सुमोनजीत दत्ता, निदेशक, विवेकानंद हॉस्पिटल प्रा. लिमिटेड, ने कहा, विवेकानंद हॉस्पिटल में हमारा मानना है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की शुरूआत हर मरीज को बेहतर तरीके से समझने से होती है। सेल्सफोर्स के साथ हमारा सहयोग हमारी टीमों को मरीजों की जानकारी का एकीकृत दृष्टिकोण उपलब्ध कराने, फील्ड ऑपरेशंस में बेहतर दृश्यता हासिल करने और लीड प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद कर रहा है।इससे हम एक अधिक कनेक्टेड और स्मार्ट मरीज जुड़ाव इकोसिस्टम तैयार कर पा रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, VHPL एआई और एजेंटिक क्षमताओं के माध्यम से अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को और आगे ले जाने की योजना बना रहा है। संगठन ऐसे स्मार्ट एआई एजेंट्स की संभावनाओं का पता लगा रहा है, जो मरीजों और उनके परिवारों को अपॉइंटमेंट बुक करने में सहायता कर सकें और शुरूआती लक्षणों के आधार पर उन्हें सही विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए मार्गदर्शन दे सकें।

स्काई-सिटी मॉल में 'क्रोमा' का नया स्टोर लॉन्च

मुंबई। टाटा ग्रुप कि ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल कंपनी 'क्रोमा' ने मुंबई के बोरिवली में स्काईसिटी मॉल में अपना नया स्टोर खोलकर महाराष्ट्र में अपने विस्तार को और तेज किया है। इस नए स्टोर के साथ अब मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में क्रोमा के कुल 54 स्टोर्स और पूरे महाराष्ट्र में 105 स्टोर्स हो गए हैं। इस लॉन्च का मुख्य उद्देश्य मुंबई के ग्राहकों को बेहतरीन ओम्नी-चैनल शॉपिंग का अनुभव देना और अपने इस सबसे महत्वपूर्ण बाजार में ब्रैंड की पकड़ को और मजबूत करना है।

क्रोमा का नया स्टोर बोरीवली के स्काई-सिटी मॉल की पहली मंजिल पर यूनिट नंबर F-27 और F-28 में है। यह प्रीमियम स्टोर 7,075 वर्ग फुट में फैला हुआ है। यहाँ बोरिवली और आसपास के लोग आसानी से पहुंच सकते हैं। इस स्टोर में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की विस्तृत रेंज मिलेगी। ग्राहक यहाँ बड़े अप्लायंसेस, स्मार्टफोन और होम टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस खरीद सकते हैं। इसके साथ ही आकर्षक लॉन्च ऑफर्स भी उपलब्ध हैं। मयंक संगानी, चीफ बिजनेस ऑफिसर-स्टोर्स, इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड ने कहा,रहमें बेहद खुशी है कि स्काईसिटी मॉल में नया स्टोर शुरू करके हमने मुंबई और महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह विस्तार मजबूत उपभोक्ता मांग वाले बाजारों में निवेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम अपने बढ़ते ओम्नी-चैनल नेटवर्क के जरिए ग्राहकों तक पहुंच बढ़ा रहे हैं। नए स्टोर में मुख्य श्रेणियों में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की गई है। इसके साथ ही ग्राहकों को एक्सपर्ट गाइडेंस और आकर्षक लॉन्च ऑफर्स भी मिलेंगे। हमारा ध्यान हर टचपॉइंट पर एक सहज शॉपिंग अनुभव बनाने पर है। हम ग्राहकों के रोजमर्रा के जीवन में तकनीक को अधिक सुलभ और प्रासंगिक बनाने के लिए केंद्रित हैं।

मुंबई में निखरी जयपुर के प्रवासियों की सांस्कृतिक झलक

मुंबई। जयपुर प्रवासी संघ (जेपीएस) मुंबई द्वारा सावन माह के उपलक्ष्य में आयोजित 18वीं सामूहिक गोठ आयोजन आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में जयपुर के प्रवासी परिवारों ने सपरिवार भाग लेकर वर्षों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्तों को नई ऊष्मा प्रदान की। जेपीएस के संस्थापक अध्यक्ष और मुख्य संरक्षक कृष्ण कुमार राठी एवं अध्यक्ष सुनील सिंघवी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे से आत्मीय मुलाकात कर पुराने संबंधों को ताजा किया तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का संदेश दिया। सावन की हरियाली और धार्मिक वातावरण के बीच बोरिवली स्थित त्रिमूर्ति जैन मंदिर, पोदनपुर परिसर में आयोजित इस गोठ में पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति की सजीव झलक दिखाई दी। जेपीएस की सचिव अनिता सुशील माहेश्वरी के अनुसार मुंबई में रह रहे जयपुर के परिवारों के बीच सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पहचान और पारिवारिक आत्मीयता का यह सिलसिला लगातार मजबूत होता रहे। संस्था के कोषाध्यक्ष अनिल हीरावत सहित संयुक्त सचिव मधु राठी, अनिल अग्रवाल, राजकुमार बैद, गिरिश अग्रवाल, दीपेंद्र बैराठी, मनीष शाह, धरमचंद कोठारी, विजय सेठ, अनिल कर्णावत, मनीष लेखी, नरेंद्र हीरावत, विनोद दुग्गड़, सीए सुशील माहेश्वरी, सीए महेशचंद गुप्ता, ज्ञानचंद सोमानी, कुसुम काबरा आदि सभी प्रमुख सदस्यों के सहयोग से पूरे आयोजन में अपनत्व, सौहार्द और पारिवारिक एकजुटता का वातावरण बना रहा। जेपीएस की इस सामूहिक गोठ का उद्देश्य केवल सामाजिक मिलन नहीं, बल्कि मुंबई में बसे जयपुर वासियों के बीच आत्मीय संबंधों को और अधिक मजबूत करना तथा अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए रखना है। उन्होंने आयोजन की सफलता पर अपने संदेश में सभी सदस्यों और पदाधिकारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध उद्योगपति सीए सुशील माहेश्वरी, वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार, प्रवासी संदेश के संपादक राजेश उपाध्याय समेत तमाम जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में संघ के सभी संरक्षकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी सुव्यवस्थित तैयारियों के कारण पूरा आयोजन गरिमापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गोठ का सबसे आकर्षक केंद्र पारंपरिक राजस्थानी भोजन रहा। जयपुर से विशेष रूप से आए अनुभवी कारीगरों ने प्रसिद्ध उड़द की दाल, बाटी और चूरमा सहित अन्य पारंपरिक व्यंजन तैयार किए, जिनका उपस्थित परिवारों ने भरपूर आनंद लिया। भोजन के असली जयपुरी स्वाद ने सभी को अपने शहर और बचपन की यादों से जोड़ दिया तथा प्रवासी परिवारों के लिए यह अनुभव विशेष रूप से भावुक और यादगार बन गया।

स्कूल के पास लड़कियों से अश्लील हरकत करने वाले दो मनचले गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान के तहत सिकरारा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मनचले युवकों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। आरोप है कि दोनों युवक विद्यालय के आसपास आने-जाने वाली छात्राओं और महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां कर रहे थे तथा उनसे अभद्र बातचीत कर रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने अमन प्रजापति निवासी इटहा थाना सुजानगंज तथा भोला प्रजापति निवासी खपरहा थाना सिकरारा को हिरासत में लेकर शांति भंग की आशंका के आधार पर धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत चालान कर संबंधित न्यायालय भेज दिया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश यादव, हेड कांस्टेबल जगनरायण वर्मा, महिला कांस्टेबल लता सिंह, नीलम अहिरवार एवं प्रिया सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने कहा कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान लगातार जारी रहेगा और सार्वजनिक स्थानों पर अभद्रता या छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश चतुर्वेदी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं कुशल संगठनकर्ता जयप्रकाश चतुर्वेदी का सोमवार को उनके पैतृक गांव चांची कला में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे जयप्रकाश चतुर्वेदी का शनिवार देर रात लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में उपचार के दौरान निधन हो गया था। उनके निधन से भाजपा संगठन और पूरे सोनभद्र जनपद में शोक की लहर है।

रविवार को उनका पार्थिव शरीर प्रदेश भाजपा कार्यालय, लखनऊ लाया गया, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पार्थिव शरीर भाजपा जिला कार्यालय, सोनभद्र पहुंचा, जहां जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और आमजन ने अंतिम दर्शन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। देर रात पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव चांची कला पहुंचा, जहां सोमवार सुबह से अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। प्रशासन की ओर से

एसडीएम ओबरा रवि पासवान की मौजूदगी में दिवंगत नेता को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उनके भतीजे सुशील कुमार चौबे ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। अंतिम यात्रा में सदर विधायक भूपेश चौबे, सांसद छोटेलाल खरवार, समाज कल्याण मंत्री संजीव गौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मवीर तिवारी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, भाजपा के जिला, मंडल एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। जयप्रकाश चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की थी। बाद में उन्होंने भाजपा के संगठन मंत्री, पूर्व विधान परिषद सदस्य तथा रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की उनकी कार्यशैली उन्हें एक लोकप्रिय और सम्मानित नेता बनाती थी। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि जयप्रकाश चतुर्वेदी ने अपना संपूर्ण जीवन संगठन और समाज की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित किया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके निधन से भाजपा संगठन और सोनभद्र के सार्वजनिक जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, 20 शिक्षकों को मिले हेल्थ कार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस अवसर पर जनपद के 20 शिक्षकों को योजना के कार्ड वितरित किए गए, जिससे वे और उनके परिवार गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा गया। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक मड़ियाहूं आर.के. पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक आर.के. पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के सम्मान और उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से शिक्षक और उनके परिवार आर्थिक चिंता से मुक्त होकर बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने इसे शिक्षकों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र शिक्षकों को योजना से जोड़ा जाए तथा कार्ड वितरण की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने कहा कि शिक्षकों का बेहतर स्वास्थ्य शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग पात्र शिक्षकों को योजना से जोड़ने का कार्य निरंतर कर रहा है और उन्हें योजना से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को योजना की पात्रता, सूचीबद्ध अस्पतालों में उपलब्ध कैशलेस चिकित्सा सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न, मिसाइल मैन एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि शहर कांग्रेस कार्यालय पर शहर अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लाल प्रकाश पाल, अनिल सोनकर, हरेंद्र मौर्य, राजकुमार गुप्ता, शाहनवाज मंजूर (सभासद), एब्यूजर शेख (सभासद), गौरव कुशवाहा, सोनू, तौफीक राजू, मोहम्मद ताहिर, रईस अहमद, जैद सिद्दीकी, इकबाल हुसैन, मोहम्मद शारिक सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फ्रेंडशिप डे के लिए FNP ने उपहारों का खास संग्रह पेश किया

मुंबई। फ्रेंडशिप डे अब बस आने ही वाला है और इस खास मौके पर हम आपके लिए FNP की ओर से सोच-समझकर तैयार किए गए उपहारों का एक खास संग्रह लेकर आए हैं, जो उन लोगों का जश्न मनाता है जो हमारी ज़िंदगी में खुशियों और रोशनी की वजह बनते हैं। दिल से जुड़े यादगार तोहफों और खूबसूरत फूलों की सजावट से लेकर शानदार हैम्पर्स और व्यक्तिगत सरप्राइज तक, इस फ्रेंडशिप डे अपने दोस्तों को यह एहसास दिलाने के लिए सार्थक उपहारों की हमारी खास पेशकश देखें कि वे आपके लिए कितने अनमोल हैं। इस फ्रेंडशिप डे पर FNP का मल्टीयूटिलिटी वुडन डेस्क ऑर्गनाइजर आपके दोस्त के लिए खूबसूरती और रोजमर्रा की उपयोगिता का एक बेहतरीन तोहफा है। रुपये 849 की कीमत में आने वाला यह ऑर्गनाइजर फोन, वॉलेट, घड़ी, चाबियां और चश्मे जैसी जरूरी चीजों को करीने से रखने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है, जो व्यवस्थित वर्कस्पेस और क्लासिक डिजाइन पसंद करने वाले दोस्तों के लिए एक बेहद शानदार उपहार साबित होगा। FNP का परफेक्ट फ्रेंडशिप डे बुके उन दोस्तों को खास महसूस कराने के लिए एक बेहतरीन उपहार है, जो आपकी ज़िंदगी में खुशियों की रोशनी भर देते हैं। रुपये 699 की कीमत में आने वाला यह बुके ताजे फूलों और खूबसूरत पर्सनलाइज्ड फोटो मैग्नेट्स से सजा है। यह खास तोहफा प्यारी यादों और फूलों की सुंदरता का एक अनूठा संगम है, जिसे आपका दोस्त फ्रेंडशिप डे बीत जाने के बाद भी लंबे समय तक प्यार से संजोकर रखेगा। FNP का कस्टम फ्रेंडशिप ग्लो लैम्प आपकी यादगार दोस्ती के खूबसूरत पलों को हमेशा के लिए संजोने के लिए एक बेहतरीन तोहफा है। आपकी पसंदीदा तस्वीरों से खास तौर पर तैयार किया गया और रुपये 849 की कीमत में आने वाला यह पर्सनलाइज्ड लैम्प अनमोल यादों को एक जगमगाती सजावट में बदल देता है, जो न केवल किसी भी जगह को अपनी गर्म रोशनी से रोशन करता है बल्कि जीवनभर साथ रहने वाले दोस्ती के बंधन की याद भी दिलाता रहता है। FNP का बेस्ट फ्रेंड के लिए चोको फोटो एगलेस केक (कीमतः रुपये 1299) अपनी सबसे प्यारी दोस्ती का जश्न मनाने के लिए एक शानदार विकल्प है। आपकी पसंदीदा यादों की तस्वीर से पर्सनलाइज्ड यह स्वादिष्ट चॉकलेट फोटो क्रीम केक भरपूर चॉकलेटी स्वाद और लाजवाब मिठास से भरा है, जो इस फ्रेंडशिप डे पर दोस्तों के साथ मिलकर बांटने और हंसी-खुशी के यादगार पल बिताने के लिए एकदम सही ट्रीट साबित होगा।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के नहीं, पूरे राष्ट्र की चेतना हैं

दलित वोट बैंक नहीं, महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना भाजपा का संकल्प : लाल सिंह आर्य

-सुरेश गांधी

भारतीय राजनीति में सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी लड़ाई अब केवल संसद और विधानसभाओं में नहीं, बल्कि महापुरुषों की विरासत के इर्द-गिर्द लड़ी जा रही है। जो दल कभी विकास, जाति या धर्म के मुद्दों पर आमने-सामने थे, वे अब इतिहास के उन संतों और समाज सुधारकों की वैचारिक विरासत पर भी अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं, जिन्होंने सदियों पहले सामाजिक बराबरी का सपना देखा था। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर भारतीय जनता पार्टी का सात महीने लंबा 'समरसता संकल्प अभियान' इसी बदलती राजनीतिक धारा का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। काशी की धरती से शुरू होने वाला यह अभियान केवल धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला नहीं है। 131 कलश, हजारों कार्यकर्ता, संत संपर्क, छात्रावास संवाद, समरसता यात्रा और देशभर में दीपोत्सव—इन सबके जरिए भाजपा एक साथ कई संदेश देना चाहती है। पहला, संत रविदास के सामाजिक दर्शन को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाना। दूसरा, दलित समाज के बीच अपने वैचारिक विस्तार को मजबूत करना। और तीसरा, उस राजनीतिक धारणा को चुनौती देना कि दलित समाज पर केवल कुछ चुनिंदा दलों का ही नैतिक या राजनीतिक अधिकार है। भाजपा भले इसे सामाजिक समरसता का अभियान बता रही हो, लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों से इनकार नहीं किया जा सकता। खासकर तब, जब उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में रविदासिया समाज का प्रभाव चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखता हो। ऐसे में यह अभियान श्रद्धा, सामाजिक संदेश और सियासी रणनीति—तीनों का संगम बन गया

है. हिन्दुस्तान, जनसंदेश टाइम्स सहित कई समाचार पत्रों एवं आज तक टीवी न्यूज जैसे चैनलों की रिपोर्टिंग कर चुके सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से विशेष बातचीत में भाजपा अनुसूचित वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले— विपक्ष ने महापुरुषों को चुनाव तक सीमित रखा, भाजपा उन्हें राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बना रही. यूपी और पंजाब चुनाव से अभियान को जोड़ना उचित नहीं. उनका कहना है कि भाजपा का उद्देश्य चुनाव नहीं, बल्कि महापुरुषों के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विशेष बातचीत में लाल सिंह आर्य ने कहा कि भाजपा ने कभी महापुरुषों को वोट बैंक की राजनीति का माध्यम नहीं बनाया। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का काम किया है। प्रस्तुत है बातचीत के कुछ प्रमुख अंशः-

प्रश्न : विपक्ष का आरोप है कि भाजपा संत रविदास की 650वीं जयंती के बहाने दलित वोट बैंक को साधना चाहती है।

लाल सिंह आर्य : यह विपक्ष का राजनीतिक चश्मा है। जो लोग दशकों तक दलित समाज को केवल वोट बैंक मानते रहे, वे हर सामाजिक कार्यक्रम में चुनाव तलाशते हैं। भाजपा संत रविदास को किसी जाति या वर्ग का संत नहीं मानती। वे पूरे मानव समाज के मार्गदर्शक हैं। उनके समरसता, समानता और कर्मयोग के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। यदि उन विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, तो उसे चुनावी राजनीति कहना उचित नहीं होगा।

प्रश्न : लेकिन यह अभियान ऐसे समय शुरू हो रहा है, जब उत्तर प्रदेश और पंजाब की राजनीति दलित समीकरणों के इर्द-गिर्द घूम रही है।

उत्तर : चुनाव लोकतंत्र की सतत प्रक्रिया है। यदि किसी कार्यक्रम को चुनाव से जोड़ना है तो फिर कोई भी सामाजिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं हो सकेगा। भाजपा महापुरुषों के विचारों पर केवल चुनाव के समय नहीं, पूरे वर्ष काम करती है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के पंचतीर्थ हों, भगवान बिरसा मुंडा का जनजातीय गौरव दिवस हो, महर्षि वाल्मीकि हों या संत रविदास—हमने सभी को राष्ट्रीय सम्मान देने का काम किया है। यह हमारी विचारधारा का हिस्सा है, चुनावी रणनीति नहीं।

प्रश्न : फिर सात महीने तक चलने वाले इतने बड़े अभियान की आवश्यकता क्यों महसूस हुई?

उत्तर : संत रविदास की 650वीं जयंती साधारण अवसर नहीं है। ऐसे महापुरुष बार-बार नहीं आते। उनका संदेश आज भी समाज को दिशा देता है। इसलिए हमने तय किया कि इसे केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जागरण का अभियान बनाया जाए। इसमें कलश यात्रा, संत संपर्क, छात्रावास संपर्क, समरसता यात्रा और दीप अभियान जैसे कार्यक्रम होंगे, ताकि समाज का हर वर्ग जुड़ सके।

प्रश्न : क्या भाजपा दलित समाज के बीच अपनी स्वीकार्यता और बढ़ाना चाहती है?

उत्तर : भाजपा समाज के हर वर्ग के बीच काम करती है। यदि कोई दलित समाज भाजपा से जुड़ता है तो वह किसी लालच या तुष्टीकरण से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और सामाजिक न्याय के एजेंडे से जुड़ता है। भाजपा किसी समाज को वोट बैंक नहीं मानती।

प्रश्न : विपक्ष कहता है कि भाजपा महापुरुषों के नाम पर राजनीति कर रही है।

उत्तर : राजनीति किसने की, यह देश जानता है। जिन लोगों ने दशकों तक महापुरुषों को केवल जयंती और माल्यार्पण तक सीमित रखा, वे आज हमें उपदेश दे रहे हैं। भाजपा ने उनके विचारों को सरकारी योजनाओं, स्मारकों और राष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से सम्मान दिया। हम केवल प्रतिमा नहीं बनाते, उनके विचारों को समाज तक पहुंचाने का काम भी करते हैं।

प्रश्न : पंजाब में रविदासिया समाज का बड़ा प्रभाव है। क्या समरसता यात्रा का जालंधर से शुरू होना भी इसी रणनीति का हिस्सा है?

उत्तर : संत रविदास का डेरा सचखंड बल्लां से गहरा आध्यात्मिक संबंध है। इसलिए यात्रा का वहां से प्रारंभ होना स्वाभाविक है। इसे चुनावी नजर से नहीं, धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के रूप में देखा जाना चाहिए।

प्रश्न : विपक्ष का दावा है कि भाजपा सामाजिक समरसता की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर भेदभाव खत्म नहीं हुआ।

उत्तर : सामाजिक परिवर्तन एक दिन में नहीं आता। लेकिन दिशा सही होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय और समरसता के लिए जितना काम हुआ है, वह पहले कभी नहीं हुआ। योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। यही सामाजिक समरसता का वास्तविक स्वरूप है। मतलब साफ है लाल सिंह आर्य भले ही इस पूरे अभियान को चुनावी राजनीति से अलग बताते हों, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में सात महीने तक चलने वाला यह अभियान उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भाजपा के सामाजिक आधार को और मजबूत करने का प्रयास भी माना जा रहा है। विशेषकर रविदासिया समाज के बीच व्यापक जनसंपर्क, संतों से संवाद, छात्रावास संपर्क और कलश यात्राएं भाजपा को दलित समाज के बीच अपनी वैचारिक स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर देंगी। हालांकि भाजपा का दावा है कि यह अभियान किसी चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि संत रविदास के समरसता, सेवा और मानवता के संदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। चुनावी लाभ होगा या नहीं, इसका फैसला आने वाला समय और मतदाता करेंगे, लेकिन इतना तय है कि संत रविदास की 650वीं जयंती को भाजपा ने अपने सबसे बड़े सामाजिक अभियानों में शामिल कर लिया है।